घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 230- रविवार 21- जून 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बंगाल में किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी की...

बंगाल को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की कोशिश हुई,घुसपैठियों से कब्जा कराया गया,अब कानून का राज : प्रधानममंत्री मोदी

कोलकाता,20 जून 2026। पश्चिम बंगाल के हुगली में में पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि जब पूरे बंगाल को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की कोशिश हुई तो कांग्रेस उन षडयंत्रकारियों के सामने घुटने टेके पड़ी थी। बंगाल की आवाज को मजहबी एजेंडों से दबाया जा रहा था तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने प्रस्ताव पास कराया और घोषणा की कि पूरा बंगाल पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा। प्रधानमंत्री बंगाल में भाजपा की जीत के 47 दिन बाद बंगाल पहुंचे थे।

इस दौरान मोदी ने कहा- जो बंगाल भारत के विकास का नेतृत्व कर सकता तो वो बंगाल पिछड़ता चला गया। बंगाल की धरती पर विदेशी विचारधारा सौंपी गई। पहले कांग्रेस, लेफ्ट और फिर टीएमसी ने बंगाल को अवैध घुसपैठियों का अड्डा बनने दिया। पीएम ने कहा कि अब राज्य में कानून का राज स्थापित करने और विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार लगातार काम कर रही है। पश्चिम बंगाल के हुगली में पीएम नरेंद्र मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। विधानसभा चुनाव जीतने के बाद यह उनका पहला दौरा है। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी की और राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरुआत की।

बंगाल बंधनों से मुक्त हुआ,गौरव की वापसी शुरू : मोदी

चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में नया माहौल बना है और राज्य विकास की नई यात्रा पर आगे बढ़ रहा है। बंगाल में लोगों के चेहरों पर खुशी और भरोसा दिख रहा है, जो लोकतंत्र और वोट की ताकत का प्रमाण है।

चुनावी गारंटी पूरी...बंगाल के गरीबों को आयुष्मान भारत का लाभ : मोदी

चुनाव के दौरान उन्होंने आयुष्मान भारत योजना लागू करने की गारंटी दी थी। अब यह सुनिश्चित किया गया है कि पश्चिम बंगाल के हर गरीब को योजना का लाभ मिले। महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना के तहत भी सीधे लाभ मिलना शुरू हो गया है।

विकसित भारत की नींव पूर्वी भारत का विकास : भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। इसके लिए पूर्वी भारत के विकास को सबसे अहम मानते हुए केंद्र सरकार मिशन पूर्वोदय के तहत क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को गति दे रही है।

जर्जर इंफ्रास्ट्रक्चर से तेज विकास की ओर बढ़ रहा बंगाल : कभी खराब सड़कों और जर्जर बुनियादी ढांचे से जूझने वाला बंगाल अब तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने कोलकाता मेट्रो की ऑरेंज लाइन के चिंगरीघाटा क्रॉसिंग का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्षों से अटका काम अब पूरा हो चुका है और लंबित परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

नई सरकार बनने के बाद सीमा बाड़बंदी का काम शुरू हुआ

पिछली सरकारों ने दशकों तक भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी के लिए जमीन हस्तांतरण का काम रोक रखा था। नई सरकार बनने के बाद इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया और सीमा सुरक्षा से जुड़े लंबित कार्यों को पूरा करने की शुरुआत हुई। मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी की। इसके तहत देशभर के 9.44 करोड़ से ज्यादा किसानों के खातों में 18,880 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। अकेले बंगाल में, 45 लाख से ज्यादा लाभार्थियों के खातों में 900 करोड़ रुपए जमा किए गए। इसके अलावा पीएम ने हावड़ा के संकरैल-संतरागाछी लिंक लाइन प्रोजेक्ट लॉन्च किया। 300 बेड वाले नए रेलवे अस्पताल की आधारशिला रखी और पूर्व मेदिनीपुर में हौर-राधामोहनपुर रोड ओवर ब्रिज परियोजना का शिलान्यास किया।

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का फिर प्रदर्शन...

थाली-चम्मच बजाकर मांगा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

नई दिल्ली,20 जून 2026। नीट पेपर लीक को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) फिर दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। इसमें पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके भी शामिल हुए हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ नारेबाजी की। लोगों ने चम्मच और थाली लेकर गो प्रधान गो के नारे लगाए। प्रदर्शन से पहले दिपके ने लोगों से चम्मच और थाली साथ लाने की अपील की थी।

दिपके मंच पर महात्मा गांधी और भीमराव अंबेडकर की फोटो लेकर पहुंचे। वहीं, मंच पर नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के पोस्टर लगाए गए हैं। दिपके ने लॉकडाउन के दौरान हुई थाली-चम्मच बजाने की घटना को याद किया। तंज कसते हुए उन्होंने कहा, इससे वाइब्रेशन पैदा होते हैं जो कोरोनावायरस को... इसीलिए मेरे दोस्तों ने एक नया आविष्कार किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली पर धर्मेंद्र प्रधान नाम का एक वायरस है। दिपके ने बीते दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आत्महत्या करने वाले नीट छात्रों के परिवारों को एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग की थी। उन्होंने प्रधान को पद से हटाने की मांग भी दोहराई थी। दिपके ने पत्र में कहा, हाल के हफ्तों में 11 छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें से 5 मौतें पिछले 48 घंटों में हुई हैं। हालात और बिगड़ रहे हैं क्योंकि छात्र दोबारा परीक्षा को लेकर अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही तैनात पुलिसकर्मी पारदर्शिता बनाए रखने और कार्यवाही का रिकॉर्ड रखने के लिए लगभग 270 बॉडी-वर्न कैमरों का इस्तेमाल करेंगे।

जंतर-मंतर और उससे जुड़ी सड़कों के चारों ओर कई स्तरों पर बैरिकेडिंग की गई है और मुख्य एंट्री और एग्जिट पॉइंट पर गाड़ियों की जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस के वीडियोग्राफरों को भी तैनात किया गया है। अमेरिका से लौटने के बाद दिपके ने सबसे पहले 6 जून को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। इसके बाद सीजेपी अब तक दिल्ली, पुणे, लखनऊ, अमृतसर, हैदराबाद, बेंगलुरु, जयपुर और नागपुर में भी प्रदर्शन कर चुकी है। पार्टी की प्रमुख मांगों में प्रधान का इस्तीफा और शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार जैसे कदम शामिल हैं। 15 जून को जयपुर में प्रदर्शन के दौरान कुछ युवकों ने दिपके को थप्पड़ मार दिए थे। दिपके महाराष्ट्र के रहने वाले हैं और उन्होंने पुणे से पत्रकारिता में स्नातक की डिग्री हासिल की है। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद वे उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चले गए। उन्होंने हाल ही में बोस्टन विश्वविद्यालय से जनसंपर्क में 2 वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री पूरी की है। 2020 से 2023 तक दिपके ने आम आदमी पार्टी के साथ काम किया, जहां वे सोशल मीडिया प्रबंधन और चुनाव अभियान गतिविधियों में शामिल थे।

भोजपुर एनकाउंटर पर बड़ा फैसला...भरत तिवारी मामले की होगी न्यायिक जांच

बिहार,20 जून 2026। बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित बिलौटी गांव में 17 जून को हुए कथित पुलिस एनकाउंटर में भरत तिवारी (भरत भूषण तिवारी) की मौत के बाद उपजे विवादों के बीच राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस पूरे प्रकरण की गंभीरता और उठ रहे सवालों को देखते हुए, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मामले की न्यायिक जांच कराने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। सरकार के इस निर्णय के अनुसार, पटना हाई कोर्ट के एक सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) न्यायाधीश इस पूरी घटना की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच करेंगे। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि न्यायिक जांच का मुख्य उद्देश्य घटना के हर पहलू की पारदर्शिता के साथ सच्चाई सामने लाना है, ताकि न्याय सुनिश्चित किया जा सके। इस एनकाउंटर के बाद सामने आए एक विवादास्पद वीडियो ने मामले में नया मोड़ ला दिया था। वायरल वीडियो में मृतक भरत तिवारी पुलिसकर्मियों पर पिस्तौल तानते हुए दिखाई दे रहा था। घटना के सामने आने के बाद बिहार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शाहपुर के थानाध्यक्ष राजेश कुमार मलाकार समेत कुल चार पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित (सस्पेंड) कर दिया है।

उत्तर प्रदेश में एक और नीट छात्र ने की आत्महत्या, फंदे से लटका मिला शव

गाजियाबाद,20 जून 2026। नीट-यूजी परीक्षा के दबाव में छात्रों के आत्महत्या करने का सिलसिला थम ही नहीं रहा है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे 22 साल के एक छात्र ने अपने कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। यह जघन्य कदम उठाने से पहले छात्र ने एक भावुक वीडियो भी रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने अपनी मौत की वजह बयां की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना गाजियाबाद के विजयनगर थाना क्षेत्र की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 22 वर्षीय छात्र लंबे समय से नीट परीक्षा पास करने की कोशिश कर रहा था। लगातार कई प्रयासों के बाद भी सफलता न मिलने से वह बेहद तनाव में था। गुरुवार की रात वह रोजाना की तरह अपने कमरे में पढने के लिए गया था। अगली सुबह जब काफी देर तक कमरा नहीं खुला, तो परिजनों ने भीतर जाकर देखा, जहां उसका शव फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही विजयनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से जरूरी सबूत जुटाए। इस दौरान पुलिस को छात्र के मोबाइल फोन में एक वीडियो मिला, जिसे उसने आत्महत्या से पहले रिकॉर्ड किया था। इस वीडियो में उसने कहा कि वह कई प्रयासों के बाद भी नीट परीक्षा पास नहीं कर पाया, जिसके कारण वह मानसिक दबाव में था। वीडियो में उसने यह भी स्पष्ट किया कि उसकी मौत के लिए कोई भी जिम्मेदार नहीं है।

महाराष्ट्र के परभणी में हनुमान मंदिर की छत गिरी...7 की मौत,25 घायल

परभणी,20 जून 2026। महाराष्ट्र के परभणी जिले में यशवाड़ी देवस्थान में हनुमान मंदिर के हॉल की निर्माणाधीन छत शनिवार दोपहर गिर गई। मलबे में में दबने से 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां मंदिर के ठीक सामने सभामंडप बनाने का काम चल रहा था। दोपहर के समय लोग प्रसाद ले रहे थे। अचानक मंदिर का स्ट्रक्चर और पत्थर भरभराकर गिर पड़े। हादसे का ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज भी सामने आया है। वीडियो के मुताबिक दोपहर 3 बजे कई लोग लाइन में खड़े होकर प्रसाद दर्शन-पूजा कर रहे थे। तभी बांस और लोहे की रॉड से बना सेंट्रिंग स्ट्रक्चर टूट गया। शनिवार होने के कारण मंदिर में भीड़ ज्यादा थी। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

यशवाड़ी गांव मनवत रोड पर स्थित है, जो छत्रपति संभाजीनगर से लगभग 190 किलोमीटर दूर है। यहां त्रिमूर्ति मंदिर में हनुमान जी की काली प्रतिमा स्थापित है।

मंडप में मौजूद लोगों ने मलबा हटाया : रिपोर्ट्स के मुताबिक परभणी के हनुमान मंदिर के ठीक सामने सभा मंडप का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी सभा मंडप की छत अचानक ढह गई। जिला कलेक्टर संजय चव्हाण, उपमंडल अधिकारी संगीता चव्हाण और तहसीलदार पांडुरंग माछेवाड़ ने बताया कि 32 लोगों में से 7 की मौत हो गई और 25 गंभीर रूप से घायल हो गए। आपदा प्रबंधन अधिकारी, पथरी अग्निशमन विभाग, मानवत लोक निर्माण विभाग, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, चिकित्सा दल, परभणी नगर निगम और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बचाव अभियान पूरा किया गया।

नौगई तिहरा हत्याकांडः सभी 9 नामजद आरोपी गिरफ्तार,लेकिन जांच को लेकर अब भी कई सवाल बरकरार

चार गिरफ्तार,चार ने किया आत्मसमर्पण,एक को पुलिस ने बाद में दबोचा

कोरिया,20 जून 2026(घटती-घटना)। सोनहत थाना क्षेत्र के नौगई तिहरा हत्याकांड में पुलिस ने अब सभी नौ नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि कर दी है, घटना के बाद पहले चरण में सत्य प्रकाश त्रिपाठी, अक्षय त्रिपाठी,विशाल त्रिपाठी और महेंद्र त्रिपाठी को गिरफ्तार किया गया था, इसके बाद 19 जून की रात मनोज त्रिपाठी, निशांत त्रिपाठी, अमन त्रिपाठी और आशुतोष त्रिपाठी के आत्मसमर्पण करने की जानकारी पुलिस द्वारा दी गई, वहीं 20 जून की देर शाम पुलिस ने खड़गवां क्षेत्र से गौरव त्रिपाठी की गिरफ्तारी की पुष्टि की।

गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण की अलग-अलग कहानी चर्चा में- सभी नामजद आरोपियों के पुलिस गिरफ्त में आने के बाद भी मामले को लेकर चर्चाएं थमी नहीं हैं, क्षेत्र में सबसे अधिक चर्चा इस बात को लेकर हो रही है कि चार आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, चार ने आत्मसमर्पण किया और एक आरोपी को बाद में गिरफ्तार किया गया, इस घटनाक्रम ने लोगों के बीच कई सवाल खड़े कर दिए हैं। लोग जानना चाहते हैं कि फरार आरोपी घटना के बाद कहां थे और किन परिस्थितियों में पुलिस तक पहुंचे।

क्या केवल नामजद आरोपी ही थे शामिल?- अब जांच का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह माना जा रहा है कि क्या घटना में केवल एफआईआर में दर्ज नौ नामजद आरोपी ही शामिल थे या फिर विवेचना के दौरान अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आ सकती है। घटना की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र में यह चर्चा है कि पुलिस को पूरे घटनाक्रम की गहराई से जांच करनी चाहिए।

अब पुलिस की विवेचना पर टिकी सबकी नजर- सभी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब लोगों की नजर पुलिस की अगली कार्रवाई पर है। जांच एजेंसी किन नए तथ्यों को सामने लाती है, क्या अन्य संदिग्धों की भूमिका की जांच होती है और घटना की साजिश व तैयारी से जुड़े पहलुओं पर क्या निष्कर्ष निकलते हैं, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। फिलहाल नौगई तिहरा हत्याकांड में आरोपियों की गिरफ्तारी का चरण पूरा हो चुका है, लेकिन मामले से जुड़े कई सवालों के जवाब अभी भी जांच के दायरे में हैं।

शेष खबर पेज क्रमांक 5 एवं 6 पर...

न्याय का सवाल : नौगई हत्याकांड में जांच निष्पक्ष दिखनी भी चाहिए और होनी भी चाहिए?

- नौगई हत्याकांड : आत्मसमर्पण की कहानी या जांच का नया विवाद?
- नौगई हत्याकांड : न्याय चाहिए,सिर्फ गिरफ्तारी नहीं
- तीन मौतें, अनगिनत सवाल,क्या जांच सही दिशा में बढ़ रही है?
- न्याय का पैमाना आखिर क्या है? देश में उठ रहे सवाल

कोरिया/सोनहत,20 जून 2026(घटती-घटना)। देश में कानून व्यवस्था,पुलिस कार्यप्रणाली और न्यायिक प्रक्रिया को लेकर लोगों के मन में लगातार सवाल बढ़ते जा रहे हैं,आम नागरिक यह समझ नहीं पा रहा कि आखिर अलग-अलग राज्यों में एक जैसी गंभीर घटनाओं को लेकर अलग-अलग तस्वीरें क्यों दिखाई देती हैं, हाल के वर्षों में देश ने ऐसे कई मामले देखे हैं जहां पुलिस कार्रवाई, एनकाउंटर, बुलडोजर और जीरो टॉलरेंस जैसी नीतियां राष्ट्रीय बहस का विषय बनीं,वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे मामले भी सामने आते हैं जहां बेहद गंभीर अपराधों में आरोपियों के संबंध में पुलिस की कार्रवाई को लेकर ही सवाल खड़े होने लगते हैं,कोरिया जिले का नौगई तिहरा हत्याकांड अब केवल एक आपराधिक घटना नहीं रह गया है,यह मामला धीरे-धीरे न्याय व्यवस्था,पुलिस विवेचना और प्रशासनिक जवाबदेही की परीक्षा बनता जा रहा है, तीन लोगों की दर्दनाक मौत, एक वाहन को आग के हवाले किए जाने का आरोप, फरार आरोपियों का कथित आत्मसमर्पण और उसके बाद उठे सवालों ने पूरे मामले को सामान्य आपराधिक प्रकरण से कहीं अधिक गंभीर बना दिया है।

लोकतंत्र में किसी भी अपराध की जांच का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत यह है कि न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखाई भी देना चाहिए, जब किसी जघन्य अपराध के बाद जनता के मन में सवाल पैदा होने लगें, तब उन सवालों का जवाब देना जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी बन जाती है, नौगई हत्याकांड में आज सबसे बड़ी चर्चा किसी आरोपी की नहीं, बल्कि जांच की दिशा और निष्पक्षता की है, लोग पूछ रहे हैं कि यदि फरार आरोपी वास्तव में आत्मसमर्पण करने आए थे तो उन्होंने वही स्थान क्यों चुना जहां उनके संपर्कों की चर्चा हो रही है? यदि यह आत्मसमर्पण था तो उसकी परिस्थितियां क्या थीं? और यदि यह पुलिस कार्रवाई का परिणाम था तो उसे आत्मसमर्पण के रूप में प्रस्तुत करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? इन सवालों का जवाब केवल पुलिस ही दे सकती है और देना भी चाहिए, क्योंकि पारदर्शिता ही विश्वास का आधार होती है, घटना से पहले क्षेत्र में वाहन जांच अभियान चलने की बात सामने आई है। यदि पुलिस को किसी संभावित तनाव या विवाद की जानकारी थी तो यह एक सकारात्मक पहल थी। लेकिन इसके साथ ही दूसरा सवाल भी खड़ा होता है। यदि मृतकों के वाहनों की जांच हुई और उनमें कोई हथियार नहीं मिला, तो क्या दूसरे पक्ष के घरों, वाहनों और गतिविधियों की भी उसी गंभीरता से जांच की गई थी? यदि की गई थी तो उसके परिणाम क्या थे? यदि नहीं की गई थी तो क्यों नहीं? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बाद की घटना यह संकेत देती है कि हमलावर पक्ष किसी स्तर पर तैयार था, घटना के बाद सामने आई कथित लावारिस कार की चर्चा भी लोगों के बीच जिज्ञासा और संदेह का विषय बनी हुई है। यदि ऐसी कोई कार वास्तव में बरामद हुई थी तो वह किसकी थी? उसका इस पूरे घटनाक्रम से कोई संबंध था या नहीं? यदि संबंध नहीं था तो पुलिस को स्पष्ट रूप से यह बताना चाहिए ताकि अफवाहों पर विराम लगे, और यदि संबंध था तो उसकी जांच कहां तक पहुंची? इस पूरे मामले में एक और महत्वपूर्ण पक्ष है-प्रारंभिक स्तर पर व्यक्त की गई संभावनाएं, किसी भी बड़ी घटना में फॉरेंसिक जांच, वैज्ञानिक साक्ष्य और तकनीकी विश्लेषण का अत्यंत महत्व होता है। ऐसे में जांच पूरी होने से पहले किसी भी संभावना को लेकर दिए गए बयान समाज में भ्रम और संदेह दोनों पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि संवेदनशील मामलों में जांच अधिकारियों के प्रत्येक शब्द का महत्व बढ़ जाता है। नौगई हत्याकांड के बाद एक व्यापक बहस भी सामने आई है, देश के विभिन्न राज्यों में अपराध और अपराधियों के प्रति अलग-अलग प्रकार की कार्रवाई देखने को मिलती है, कहीं कठोर प्रशासनिक कदम चर्चा में रहते हैं, कहीं कानून के सख्त पालन की बात होती है, तो कहीं न्यायिक प्रक्रिया को सर्वोच्च बताया जाता है, ऐसे में आम नागरिक यह सवाल पूछ रहा है कि क्या हर मामले में कानून का व्यवहार एक समान दिखाई देता है? यदि नहीं, तो क्यों नहीं? हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी आरोपी को केवल आरोपों के आधार पर दोषी नहीं माना जा सकता, न्यायालय का निर्णय ही अंतिम होता है। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं है कि जांच के दौरान उठ रहे सवालों को अनदेखा कर दिया जाए। बल्कि एक निष्पक्ष जांच का उद्देश्य ही यही होता है कि हर संदेह, हर चर्चा और हर संभावित कड़ी की तथ्यात्मक जांच हो, ताकि बाद में किसी को यह कहने का अवसर न मिले कि किसी प्रभावशाली व्यक्ति, किसी संपर्क या किसी पक्ष को जांच से बाहर रखा गया। आज नौगई हत्याकांड में सबसे बड़ी मांग सजा की नहीं, बल्कि सच्चाई की है, मृतकों के परिजन न्याय चाहते हैं, क्षेत्र के लोग पारदर्शिता चाहते हैं और समाज यह देखना चाहता है कि क्या कानून वास्तव में सभी के लिए समान है, मोबाइल कॉल रिकॉर्ड, लोकेशन डेटा, डिजिटल साक्ष्य, कथित फरारी के दौरान संपर्क, संदिग्ध वाहनों की जांच और आत्मसमर्पण की परिस्थितियों की निष्पक्ष पड़ताल-यही वे रास्ते हैं जो इस मामले की पूरी सच्चाई सामने ला सकते हैं, नौगई हत्याकांड में अब सवाल केवल यह नहीं है कि आरोपी कौन हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या जांच हर उस व्यक्ति, हर उस परिस्थिति और हर उस कड़ी तक पहुंचेगी जो इस घटना से जुड़ी हो सकती है। क्योंकि लोकतंत्र में व्यवस्था की असली ताकत केवल गिरफ्तारी नहीं होती, बल्कि जनता का विश्वास होता है। और आज नौगई हत्याकांड की जांच उसी विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा बन चुकी है, यह संपादकीय सवाल उठाता है, लेकिन किसी व्यक्ति या संस्था को दोषी घोषित किए बिना

संपादकीय

छात्रों के हित में है त्रिभाषा फार्मूला

भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम भर नहीं होती,इसका एक समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र भी होता है। खासतौर से जब भाषा का परिप्रेक्ष्य शिक्षा के संदर्भ में हो तो भाषा अपने समाजशास्त्र और आर्थिकी से आगे बढ़कर राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया से भी जुड़ जाती है। पिछले दिनों देश में सीबीएसई के स्कूलों में त्रिभाषा फार्मूले को लागू करने की योजना की घोषणा को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। यह अलग बात है कि इस मुद्दे पर पूरे देश में एक विवाद खड़ा कर दिया गया है। यह संतोषजनक है कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के निर्णय पर रोक नहीं लगाई।

भारत के प्रमुख स्कूली शिक्षा बोर्ड 'केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड' (सीबीएसई) ने हाल में निर्णय लिया कि अकादमिक सत्र 2026-2027 से छठी और नवीं कक्षा से त्रिभाषा सूत्र को लागू किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में त्रिभाषा सूत्र की अनुशंसा है। इसके अनुसार स्कूली स्तर पर तीन भाषाएं पे ाई जाएंगी,जिसमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। पहले भी एनईपी 1968 और एनईपी 1986 आदि में थोड़े से भिन्न रूप में त्रिभाषा फार्मूला अपनाया गया था। एकाध को छोड़कर सभी राज्यों ने त्रिभाषा सूत्र को लागू किया,लेकिन दुर्भाग्य से सीबीएसई ने त्रिभाषा फार्मूले को आंशिक रूप से ही स्वीकारा था।

सीबीएसई स्कूलों में छठी से आठवीं तक त्रिभाषा सूत्र लागू तो था,लेकिन तीसरी भाषा के तौर पर विदेशी भाषाओं की भी छूट थी,फिर नवीं और दसवीं में तो सीबीएसई ने सिर्फ द्विभाषा नीति ही अपनाई थी। उसमें भी छूट यहां तक कि स्कूल चाहें तो दोनों ही भाषाएं कोई गैर-भारतीय भाषा हो सकती थीं। इसका दुष्परिणाम हुआ कि महंगे पब्लिक स्कूलों में भारतीय भाषाओं को उपेक्षित किया जाने लगा। सीबीएसई की इन नीतियों से कई विसंगतियां पैदा हो गई थीं।

सीबीएसई एवं राज्य बोर्डों के विद्यार्थियों में भाषा शिक्षण में असंतुलन की स्थिति बन गई थी। वर्तमान योजना का उद्देश्य देशभर में स्कूली शिक्षा में समानता एवं भाषाई एकरूपता स्थापित करना है। दूसरे,नवीं और दसवीं में जब बच्चों का व्यक्तित्व आकार लेना शुरू करता है, उस समय केवल विदेशी भाषाओं तक सीमित रह जाना,बच्चों को अपनी भारतीय संस्कृति से दूर करना है। भाषा सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों का भी संचार करती है। आज बच्चों में त्याग, सेवा,सहिष्णुता,सामूहिकता,परिवार-भाव,बड़ों के प्रति आदर जैसे भारतीय मूल्यों का लोप हो रहा है। एनईपी 2020 का त्रिभाषा सूत्र बच्चों में क्षीण हो रहे इन भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करेगा। सीबीएसई के बच्चों को भी बहुभाषिकता की शक्ति का लाभ मिलेगा।

साइको-लिंग्विस्टिक रिसर्च बताती हैं कि बच्चों में अनेक भाषाएं सीखने की सहज और असीम क्षमता होती है। एक से अधिक भारतीय भाषाओं का ज्ञान बच्चों में भारतीय भौगोलिक-सांस्कृतिक समझ को समृद्ध करेगा। इससे राष्ट्रीय एकता के भाव को मजबूती मिलेगी और विभाजनकारी भाषाई राजनीति कमजोर होगी। भाषा का एक अर्थशास्त्र भी होता है। भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन से इससे जुड़े प्रकाशन उद्योग और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा लोगों को देशभर में घुलने-मिलने,रोजगार,व्यापार,शिक्षा और पर्यटन में आसानी होगी।

विरोधियों द्वारा फैलाई जा रही सूचनाएं तथ्यहीन एवं भ्रामक हैं। विरोध का एक कारण अंग्रेजी-शिक्षित आभिजात्य वर्ग की औपनिवेशिक दौर की मैकाले मानसिकता भी है। एक अध्ययन के अनुसार तीसरी भाषा के रूप में विदेशी भाषाओं की पढ़ाई केवल एक प्रतिशत शहरी विद्यार्थी ही कर रहे हैं। भारतीय भाषाओं के अध्ययन की अनिवार्यता का विरोध इन्हीं के आभिजात्य अभिभावकों द्वारा किया जा रहा है। नए दिशानिर्देशों के विरोध में ये लोग भाषा शिक्षकों की कमी,पाठ्यपुस्तकों का अभाव,छात्रों पर अतिरिक्त बोझ और तनाव, पहले से विदेशी भाषाओं का अध्ययन कर रहे छात्रों की असुविधा आदि तर्क दे रहे हैं। ध्यान रहे कि सीबीएसई/एनसीईआरटी द्वारा कक्षा छह के लिए सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें लगभग तैयार हैं।

नवीं कक्षा में त्रिभाषा नीति 1 जुलाई, 2026 से लागू होगी। इसके लिए 19 अनुसूचित भाषाओं की पाठ्यपुस्तकें शीघ्र उपलब्ध कराई जाएंगी। अन्य भारतीय भाषाओं के लिए इस वर्ष एनसीईआरटी की पुस्तकों का उपयोग कर सकेंगे। शिक्षकों के लिए नए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति से लेकर आनलाइन पद्धति में अन्य स्कूलों से सहयोग कर शिक्षण कार्य असंभव नहीं। केवल एक और भारतीय भाषा की पढ़ाई को अतिरिक्त बोझ बताना,सही समझ का अभाव है। विभिन्न राज्यों में पहले से ही तीन भाषाएं पढ़ाई जा रही हैं। पहले से विदेशी भाषाएं पढ़ रहे छात्रों की सुविधा के लिए वर्तमान में तीसरी भाषा का पाठ्यक्रम हल्का रखा जाएगा। तीसरी भाषा के लिए यह छूट भी है कि दसवीं में इसकी बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। यही नहीं,कोई छात्र अंग्रेजी के अलावा कोई दूसरी विदेशी भाषा भी सीखना चाहे तो इसका भी अवसर प्राप्त होगा। बड़े सुधारों में प्रारंभ में कुछ चुनौतियां आना स्वाभाविक हैं,लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि त्रिभाषा नीति को सही रूप से लागू करना देश और बच्चों,दोनों के हित में है।

अनमोल विचार

जो व्यक्ति सबका मित्र होता है,
असल मे वह किसी का मित्र नहीं होता।
-अरस्तू

आधुनिक संकटों का प्राचीन समाधान है योग

योगेश कुमार गोयल
नजफ्फगढ़,नई दिल्ली

योग : मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड

दुनिया भर के 170 से भी ज्यादा देश प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69 वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' थीम के साथ 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का यह विषय जीवन के सभी चरणों में शारीरिक शक्ति,मानसिक अनुकूलता और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में योग की भूमिका का उल्लेख करता है। योग व्यक्तियों को स्वस्थ और अधिक संतुलित जीवन जीने के लिए प्रेरित करता रहता है,साथ ही आंतरिक शक्ति और जागरूकता को भी बढ़ावा देता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय वायुसेना देशभर में योगाभ्यास का आयोजन करेगी,जिसमें उत्तर में लेह के ऊंचे पहाड़ों से लेकर दक्षिण में कार निकोबार के समुद्र तटों तक और पूर्वी सीमांत तवांग से लेकर पश्चिम में पवित्र शहर द्वारका तक के विविध भूभाग शामिल होंगे।

प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है,जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरुआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था।

हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक,शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है,जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। साल 2023 में ही लगभग 190 देशों में योग दिवस के तहत 25 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया था।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना,ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है। यही कारण है कि अब युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है। योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा से आह्वान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके। यह भारत के बेहद गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में लाभकारी माना गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है। इसलिए स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। योग केवल एक व्यायाम नहीं है बल्कि यह शरीर और मन के साथ-साथ स्वयं को सशक्त बनाने का एक बेहतरीन तरीका है। यह भारत की उस धरोहर का पुनर्जागरण है, जिसे आज पूरा विश्व अपनाकर अपने तन, मन और आत्मा को संतुलन में ला रहा है।

योग : भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

रूपेश कुमार
चैनपुर,बिहार

मानव जीवन का सबसे बड़ा धन स्वास्थ्य है। यदि शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न हो, तो जीवन की हर चुनौती का सामना सरलता से किया जा सकता है। आधुनिक जीवनशैली में बढ़ती भागदौड़, तनाव, अनियमित दिनचर्या तथा शारीरिक निष्क्रियता के कारण अनेक प्रकार की शारीरिक एवं मानसिक समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। ऐसे समय में योग एक ऐसी प्राचीन भारतीय विद्या के रूप में हमारे समक्ष उपस्थित होता है, जो व्यक्ति को स्वस्थ, संतुलित और सफल जीवन जीने की कला सिखाता है। इसी महत्त्व को विश्व स्तर पर स्थापित करने के लिए प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह शरीर,मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली एक समग्र जीवन-पद्धति है। यह स्वास्थ्य, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का अनमोल मंत्र है। 'योग' शब्द संस्कृत धातु 'युज' से बना है, जिसका अर्थ है जोड़ना या मिलाना। योग व्यक्ति के शरीर,मन,बुद्धि और आत्मा को एक सूत्र में बाँधने का कार्य करता है। भारतीय ऋषियों और मुनियों ने हजारों वर्ष पूर्व योग की खोज की थी। योग का उद्देश्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य प्राप्त करना नहीं,बल्कि आत्मिक शांति और जीवन के उच्चतम लक्ष्य की प्राप्ति भी है। योग के अनेक रूप हैं,जैसे राजयोग,कर्मयोग, ज्ञानयोग, भक्तियोग और हठयोग। आज सामान्यतः आसन, प्राणायाम और ध्यान को योग के प्रमुख अंगों के रूप में अपनाया जाता है। महर्षि पतंजलि द्वारा रचित 'योगसूत्र' योग दर्शन का प्रमुख ग्रंथ माना जाता है। भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। 21 जून वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है, जिसे उत्तरी गोलार्ध में ग्रीष्म अयनांत कहा जाता है। भारतीय परंपरा में इस दिन का विशेष आध्यात्मिक महत्त्व माना गया है। पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को पूरे विश्व में उत्साहपूर्वक मनाया गया। आज विश्व के लगभग सभी देशों में योग दिवस मनाया जाता है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत का वैश्विक सम्मान है और विश्व को भारत की अमूल्य देन का परिचायक भी है। योग स्वास्थ्य का आधार है। यह शरीर को रोगमुक्त रखने और उसकी कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायक है। नियमित योगाभ्यास से शरीर लचीला,मजबूत और ऊर्जावान बनता है। मांसपेशियाँ सुदृढ़ होती हैं, रक्त संचार बेहतर होता है तथा रोग-प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। मोटापा,मधुमेह,उच्च रक्तचाप,हृदय रोग और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं में भी योग अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है। आज तनाव और अवसाद विश्वभर में गंभीर समस्या बन चुके हैं।

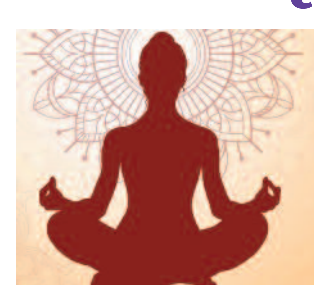

योग और ध्यान मन को शांत करते हैं तथा मानसिक तनाव को कम करते हैं। नियमित ध्यान से एकाग्रता,स्मरण शक्ति और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। प्राणायाम फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है और श्वसन तंत्र को मजबूत बनाता है। अनुलोम-विलोम,कपालभाति तथा भ्रामरी जैसे प्राणायाम शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। योग व्यक्ति के भीतर सकारात्मक सोच विकसित करता है और जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण उत्पन्न करता है। स्वास्थ्य और समृद्धि का गहरा संबंध है। स्वस्थ व्यक्ति ही अपने कार्यों को कुशलता और उत्साह के साथ कर सकता है। योग कार्यक्षमता बढ़ाता है, आत्मबल को सुदृढ़ करता है तथा व्यक्ति को सफलता की ओर अग्रसर करता है। समृद्धि केवल धन अर्जित करने का नाम नहीं है,बल्कि मानसिक शांति, पारिवारिक सुख, सामाजिक सम्मान और आंतरिक संतोष भी वास्तविक समृद्धि के अंग हैं। योग इन सभी मूल्यों को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। विद्यार्थियों के जीवन में योग का विशेष महत्त्व है। यह उनकी एकाग्रता,स्मरण शक्ति और अध्ययन क्षमता को बढ़ाता है। महिलाओं के स्वास्थ्य एवं मानसिक संतुलन के लिए भी योग अत्यंत लाभकारी है। वहीं वृद्धजनों को सक्रिय, स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाए रखने में योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है। यह केवल स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन भी है। भारतीय ऋषियों ने योग के माध्यम से आत्मज्ञान और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया। आज योग विश्वभर में भारतीय संस्कृति की पहचान बन चुका है। योग दिवस के अवसर पर विद्यालयों, महाविद्यालयों,सरकारी संस्थानों तथा सामाजिक संगठनों द्वारा सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और योग जन-जन तक पहुँचता है। योग का वास्तविक लाभ तभी प्राप्त होता है,जब इसे केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाए। प्रतिदिन कुछ समय योग,प्राणायाम और ध्यान के लिए निकालना चाहिए। साथ ही संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और सकारात्मक सोच को भी अपनाना चाहिए। योग हमें सिखाता है कि स्वस्थ जीवन के लिए महंगे साधनों की आवश्यकता नहीं होती; थोड़े से समय और नियमित अभ्यास से हम अपने जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

मेरे पापा

मैनुद्दीन कोईरी बीकानेर,राजस्थान

बड़े लाड-प्यार से मुझको पाला ।
मेरे अच्छे पापा,मेरे प्यारे पापा ।।
छोटा था,पर मै भी तो नटखट था ।
ऊँगली पकड़ चलना सिखाया पापा ।।
स्कुल-अस्पताल-मेले तक भी आप।
कन्धों पर बिठा अपने ले जाते थे पापा।।
पढ़ा -लिखा कर मुझे इन्सान बनाया।
पेट काट मुँह का निवाला खिलाया पापा ।
मुझे पैरों पर खड़ा कर लायक बनाया ।
नही चाह रखी कभी भी आपने पापा ।।
मेरा घर-परिवार सब कुछ
आपने बसाया ।
आपके आशीर्वाद से ही,
सब कुछ हूँ मैं पापा ।।
मैं कितना बदनसीब हूँ
इस जहाँ में पापा ।
तीन दशकों से शरीर
साथ नहीं है पापा ।।
वर्षो के वर्ष बीत जाने के
बाद भी आप ।
मेरे घर पर साये की
तरहां रहते हो पापा ।।
नाचीज़ के सुख-दुःखमें वक्त-बेवक्त ।
रहबर बन कर मुझे राह दिखाते हो पापा ।

माता-पिता जागें तो पीढ़ी चमके: नया सत्र,नया दायित्व-पत्र

हर घर बने पाठशाला,हर अभिभावक बने शिक्षक

दस छोटे-छोटे फर्ज,एक बड़ी क्रांतिः माता-पिता और नई शिक्षा सत्र

प्रो. आरके जैन अरिजीत
बड़वानी,मध्यप्रदेश

हर नए सत्र के साथ बच्चों के हाथों में किताबें आती हैं, लेकिन इस बार जिम्मेदारियों की एक नई पुस्तक माता-पिता के सामने भी खुल रही है। वर्षों तक शिक्षा को विद्यालय की सीमा में बांधकर देखा गया, जबकि अभिभावकों की भूमिका फीस और परिणाम तक सिमट गई। नई शिक्षा व्यवस्था ने यह दृष्टिकोण बदल दिया है। अब शिक्षा का केंद्र केवल कक्षा नहीं, घर भी है। माता-पिता दर्शक नहीं, बच्चे के भविष्य के शिल्पकार हैं। प्रश्न यह नहीं कि बच्चा क्या सीख रहा है, बल्कि यह है कि उसके निर्माण में परिवार कितना सहभागी है। 2026 का शिक्षा सत्र ऐसे दस महत्वपूर्ण दायित्वों की याद दिलाता है, जिनके बिना किसी भी पीढ़ी का भविष्य सशक्त नहीं बन सकता।

पहला कर्तव्य

बच्चे को समझे बिना उसका भविष्य नहीं गढ़ा जा सकता। हर बच्चा अंकों का जोड़ नहीं, संभावनाओं का संसार है। उसकी जिज्ञासा, कल्पना और सपने ही उसकी पहचान हैं। विडंबना है कि आज कई अभिभावक केवल परिणाम देखते हैं। स्क्रीनों के दौर में माता-पिता का दायित्व है कि वे बच्चे को खेल, पुस्तकों और प्रकृति से जोड़ें। यह काम परिवार ही कर सकता है। बच्चे की प्रतिभा पहचानने वाले माता-पिता ही उसके भविष्य के शिल्पकार बनते हैं।

दूसरा कर्तव्य

विद्यालय की दिशा तय करने में अभिभावकों की आवाज़ महत्वपूर्ण है। विद्यालय प्रबंधन समिति में 75 प्रतिशत भागीदारी केवल नियम नहीं, जिम्मेदारी है। बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षकों की जवाबदेही में उनकी भूमिका आवश्यक है। यदि वे मौन रहेंगे, तो बदलाव की उम्मीद कमजोर पड़ेगी। शिक्षा अभिभावकों की सहभागिता से आकार लेती है। आज की निष्क्रियता, भविष्य की उपेक्षा है।

तीसरा कर्तव्य

बच्चे की पहली कक्षा घर से शुरू होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का 5+3+3+4 ढांचा बताता है कि शिक्षा की नींव शुरुआती वर्षों में घर पर पड़ती है। कहानियां,प्रश्न पूछने की आज़ादी,असफलता स्वीकारने का साहस और सीखने का आनंद—ये पाठ कोई पाठ्यपुस्तक नहीं सिखा सकती। संवादपूर्ण घर बच्चों को केवल जानकारी नहीं, समझ देता है। शिक्षा का पहला पाठ मां की गोद और पिता के आचरण से शुरू होता है।

चौथा कर्तव्य

बच्चे को सबसे अधिक जरूरत समझे जाने की होती है। आज का बच्चा सुविधाओं के बीच भी अकेलेपन से जूझ रहा है। उसके भीतर डर,असुरक्षाएं और अनकहे सवाल हैं। इसलिए माता-पिता को केवल समझाने वाला नहीं, सुनने वाला बनना होगा। बच्चे की चुप्पी, गुस्से और सपनों को समझना ही सच्चा अभिभावकत्व है। जिस घर में विश्वास होता है, वहां बच्चे बड़ी चुनौतियों का सामना भी आत्मविश्वास से करते हैं। भावनात्मक सुरक्षा हर उपलब्धि की नींव है।

पांचवां कर्तव्य

बच्चे के विकास की नींव घर और विद्यालय की एकजुटता है। शिक्षक और अभिभावक एक ही लक्ष्य के साझेदार हैं। नियमित संवाद, ईमानदार प्रतिक्रिया और परस्पर सम्मान से शिक्षा सार्थक बनती है। घर का छोटा व्यवहारिक बदलाव भी शिक्षक के लिए महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है। जब घर और विद्यालय साथ चलते हैं, तभी बच्चे का विकास तेज़ होता है। शिक्षा में प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग सबसे प्रभावी सूत्र है।

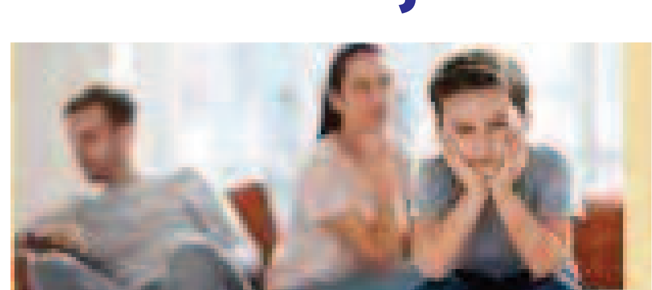

छठा कर्तव्य

बच्चे की सबसे बड़ी विरासत संस्कार हैं। ज्ञान पुस्तकें दे सकती हैं, पर चरित्र का निर्माण परिवार ही करता है। ईमानदारी, अनुशासन, सहानुभूति, परिश्रम और नैतिक साहस पाठ्यक्रम नहीं, घर के वातावरण की देन हैं। यदि माता-पिता केवल करियर पर ध्यान देंगे और चरित्र को भूल जाएंगे, तो समाज डिग्रीधारियों से भर जाएगा, जिम्मेदार नागरिकों से नहीं। राष्ट्र का भविष्य पाठ्यक्रम नहीं, संस्कार तय करते हैं।

सातवां कर्तव्य

स्वस्थ बच्चा ही बेहतर सीख सकता है। पर्याप्त नींद, पौष्टिक भोजन, नियमित खेलकूद और स्क्रीन-मुक्त समय अब विकल्प नहीं, आवश्यकता हैं। थका शरीर और तनावग्रस्त मन कभी श्रेष्ठ शिक्षा ग्रहण नहीं कर सकता। जब मानसिक स्वास्थ्य वैश्विक चुनौती बन चुका है, तब माता-पिता की सजगता सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। स्वस्थ शरीर और संतुलित मन ही शिक्षा की मजबूत नींव हैं।

आठवां कर्तव्य

बदलते समय के साथ अभिभावकों का सीखते रहना जरूरी है। नई शिक्षा नीति, बदलते पाठ्यक्रम, तकनीकी बदलाव और डिजिटल चुनौतियों को समझे बिना सही मार्गदर्शन संभव नहीं। जो अभिभावक सीखना छोड़ देते हैं, वे बच्चों की दुनिया से दूर हो जाते हैं। बच्चे को आगे बढ़ने का सरल उपाय है—स्वयं भी सीखते रहना। शिक्षित अभिभावक ही समय की दिशा पहचान पाते हैं।

नवां कर्तव्य

बच्चों को दबाव नहीं, भरोसे की जरूरत है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में उन्हें आलोचक नहीं, सहारा चाहिए। तुलना,अपेक्षाएं और दबाव अनेक प्रतिभाओं को समय से पहले तोड़ देते हैं। माता-पिता को असफलताओं को भी सफलताओं जितनी सहजता से स्वीकार करना चाहिए। अपने सपनों का बोझ बच्चे पर डालना प्रेम नहीं, अन्याय है। उसे अपनी राह चुनने की स्वतंत्रता देना ही सच्चा समर्थन है।

दसवां कर्तव्य

बच्चे के साथ निरंतर खड़े रहना ही सच्ची अभिभावकता है। शिक्षा किसी सत्र, कक्षा या परीक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि जीवनभर चलने वाली प्रक्रिया है। माता-पिता का साथ केवल परिणामों तक नहीं होना चाहिए। संघर्ष, सफलता, भ्रम और उपलब्धि—हर मोड़ पर उनका सहयोग जरूरी है। यही निरंतरता विश्वास जगाती है, और वही विश्वास बच्चे को ऊंचाइयों तक पहुंचाता है।नया शिक्षा सत्र केवल शैक्षणिक कैलेंडर का नया पृष्ठ नहीं, बल्कि माता-पिता का दायित्व-पत्र है। आने वाली पीढ़ी का निर्माण केवल स्कूलों में नहीं, घरों में भी होगा। समय का संदेश स्पष्ट है—जागिए, भागीदारी कीजिए, मार्गदर्शक बनिए और अपने इन दस कर्तव्यों का निर्वहन कीजिए। क्योंकि भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण कक्षा घर में लगती है, और उसके प्रथम शिक्षक माता-पिता होते हैं।

दिव्या अनुराग

डॉ.राजीव डोगरा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

जन्म जमांतर की मेरी
अतृप्त इच्छाएं
मुझे छूने लगी है।
देख कर तुमको
मुझ में प्रेम जिज्ञासा
फिर उत्पन्न होने लगी है।
तुम्हारे अस्पर्श अहसास
मेरे सहस्त्रार को
जागृत करने लगे है।
न चाहते हुए भी
मेरे अनाहत में
तुम्हारे स्वर को गूंजने लगे हैं

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

सड़क पर छोड़ा गया ट्रक बना मौत का कारण,तीन युवकों की जान गई

पहले कार से टक्कर के बाद चालक ट्रक छोड़कर भागा,डेढ़ घंटे बाद उसी वाहन से भिड़ी बाइक...हादसे के बाद भड़की भीड़ ने ट्रक फूंका

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 जून 2026
(घटती-घटना)।

प्रतापपुर-सेमरसोत मार्ग पर सडक़ किनारे लावारिस हालत में खड़ा मक्का लोड ट्रक तीन युवकों की मौत का कारण बन गया। शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार बाइक ट्रक से जा टकराई, जिससे तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा।

आक्रोशित लोगों ने ट्रक में आग लगा दी और डायल-112 के आरक्षक व चालक से मारपीट कर दी। पुलिस के अनुसार ग्राम बैकोना निवासी रूपचंद पैकरा (20), रविंद्र पैकरा (19),ओमप्रकाश पैकरा (18) और अरमान पैकरा (16) एक ही बाइक से शादी समारोह में शामिल होने खजुरी जा रहे थे। शिवपुर के पास उनकी बाइक सडक़ किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई, जबकि अरमान को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज अस्पताल, अंबिकापुर में भर्ती कराया गया है।

डेढ़ घंटे पहले ही छोडक़र भाग गया था चालक : जानकारी के मुताबिक इसी ट्रक की रात करीब 10 बजे एक कार से टक्कर हो गई थी। विवाद की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो ट्रक चालक वाहन सडक़ पर छोडक़र फरार हो गया। कार को मामूली नुकसान होने पर उसके सवार चले गए और पुलिस टीम भी लौट गई। इसके बाद करीब डेढ़ घंटे तक ट्रक सडक़ पर खड़ा रहा। इसी दौरान बाइक सवार युवक उससे टकरा गए।

हादसे के बाद भडक़ा आक्रोश : दुर्घटना की सूचना मिलते ही बैकोना गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने पुलिस पर वाहन चेकिंग और ट्रक को सडक़ पर छोडऩे का आरोप लगाते हुए डायल-112 के आरक्षक नीतेश टोप्पो और चालक से मारपीट कर दी। दोनों को चोटें आई हैं। इसके बाद भीड़ ने ट्रक में आग

लगा दी, जिससे उसका अगला हिस्सा जलकर खाक हो गया। बाद में पुलिस ने

आग पर काबू पाया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

दंतैल के सामने आ गई बाइक भागकर बची ग्रामीण की जान

राज माडा जंगल में लकड़ी लेने गया था ग्रामीण,गुस्साए हाथी ने बाइक को किया चकनाचूर

-संवाददाता-
उदयपुर,20 जून 2026
(घटती-घटना)।

उदयपुर वन परिक्षेत्र के हसदेव क्षेत्र अंतर्गत केते एक्सटेंशन के राज माडा जंगल में शनिवार सुबह एक ग्रामीण दंतैल हाथी के हमले से बाल-बाल बच गया। हाथी ने ग्रामीण का पीछा किया, लेकिन वह भागकर सुरक्षित निकल गया। गुस्साए हाथी ने उसकी बाइक को कुचलकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार ग्रामीण सुबह करीब 8 बजे बाइक से जंगल में लकड़ी लेने गया था। वह जंगल के भीतर लकड़ी काट रहा था,तभी अचानक एक दंतैल हाथी वहां पहुंच गया। हाथी को देखते ही ग्रामीण ने भागने की कोशिश की। इस दौरान बाइक हाथी और ग्रामीण के बीच आ गई, जिससे उसे बचकर निकलने का मौका मिल गया। ग्रामीण के सुरक्षित दूर निकल जाने के बाद हाथी ने गुस्से में बाइक पर हमला कर उसे पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद ग्रामीण किसी तरह गांव पहुंचा और लोगों को इसकी जानकारी दी। स्थानीय लोगों के अनुसार परोगिया-राज माडा जंगल में हाथियों की लगातार आवाजाही बनी हुई है। ऐसे में जंगल जाने वाले ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वन विभाग

ने लोगों से हाथियों की मौजूदगी वाले क्षेत्रों में सतर्कता बरतने और अनावश्यक रूप से जंगल में नहीं जाने की अपील की है।

प्रयास स्कूल के छात्र सड़क पर उतरे व्यवस्थाओं के खिलाफ खोला मोर्चा

शिक्षकों की कमी,खराब भोजन और मूलभूत सुविधाओं में अनियमितता का आरोप,पैदल मार्च कर कलेक्टर से लगाई गुहार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 जून 2026
(घटती-घटना)।

आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय की व्यवस्थाओं से असंतुष्ट छात्रों का गुस्सा शनिवार को सडक़ पर दिखाई दिया। सैकड़ों छात्र विद्यालय से करीब 10 किलोमीटर पैदल चलकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए व्यवस्था में सुधार की मांग की। छात्रों ने आरोप लगाया कि विद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के अनुरूप शिक्षकों की व्यवस्था नहीं है। कई विषयों की नियमित कक्षाएं नहीं लगने से पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि बेहतर परिणाम देने

वाले संस्थान में इस तरह की लापरवाही उनके भविष्य पर असर डाल रही है। छात्रों ने भोजन व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि अधिकारियों के निरीक्षण के समय गुणवत्तापूर्ण भोजन परोसा जाता है, जबकि सामान्य दिनों में खराब भोजन और कीड़े लगे चावल दिए जाते हैं।

छात्रों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया गया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने बाल कटिंग और अन्य आवश्यक सुविधाओं में भी अनियमितता का आरोप लगाया। उनका कहना है कि नियमित रूप से सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रहीं, जबकि संबंधित मद में खर्च दिखाया जा रहा है। छात्रों की शिकायत के बाद आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ललित शुक्ला ने उनसे चर्चा की और सभी बिंदुओं की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर 18 लाख की ठगी,कारोबारी पर केस दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 जून 2026
(घटती-घटना)।

व्यवसायिक निवेश के नाम पर अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर करीब 18 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। मामले में सूरजपुर थाना पुलिस ने अंबिकापुर निवासी एक कारोबारी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को आशंका है कि इस मामले में अन्य लोग भी ठगी का शिकार हुए हो सकते हैं। पुलिस के अनुसार सूरजपुर जिले के ग्राम पचिरा निवासी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी रॉबर्ट लकड़ा को उनके परिचित कैलाश नारायण मिश्रा ने निवेश योजना की जानकारी दी थी। इसके बाद उनकी मुलाकात अंबिकापुर निवासी कारोबारी गिरीश उपाध्याय से कराई गई। आरोपी ने एएसए ट्रेडर्स के माध्यम से निवेश करने पर बेहतर मुनाफे और बैंक ऋण की मासिक किश्त स्वयं जमा करने का भरोसा दिया। आरोप है कि दिसंबर 2023 में रॉबर्ट लकड़ा ने बैंक से लिए गए ऋण में से 19 लाख रुपए आरोपी के फर्म के खाते में तीन किश्तों में ट्रांसफर कर दिए। दोनों पक्षों के बीच स्टांप पेपर पर अनुबंध भी किया गया, जिसमें 36 माह तक हर महीने एक लाख 39 रुपए की ऋण किस्त जमा करने का उल्लेख था। शिकायत के अनुसार आरोपी ने सात माह तक बैंक की किश्त जमा की, लेकिन अगस्त 2024 से भुगतान बंद कर दिया। लगातार आश्वासन मिलने के बावजूद राशि वापस नहीं मिलने पर पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया है कि कैलाश नारायण मिश्रा से भी 4 लाख रुपए की इसी तरह ठगी की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्यारह किलो मीटर मैराथन में बनारस के धावकों ने मारी बाजी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 जून 2026
(घटती-घटना)।

संभाग मुख्यालय अंबिकापुर में आयोजित स्व. कलावती देवी स्मृति अखिल भारतीय मैराथन प्रतियोगिता में आज देश भर के धावकों ने उत्साह से भाग लिया। पुरुष और महिला वर्ग में 2500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ग्यारह किलो मीटर मैराथन में दोनों वर्ग में बनारस के धावकों ने बाजी मारी। पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान पर आकाश पटेल बनारस रहे, वहीं द्वितीय गणेश कुमार मिर्जापुर, तृतीय पंकज पटेल रीवा रहे। जिन्हें क्रमशः 51 हजार रुपए, 21 हजार रुपए और 11 हजार रुपए का पुरस्कार दिया गया, वहीं महिला वर्ग में प्रथम सोनी देवी बनारस, द्वितीय नीता सलामे राजनांदगांव, तृतीय प्रीति चौहान भोपाल रही। जिन्हें क्रमशः 31000 रुपए, 21000 और 15 हजार रुपए का पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ गांधी स्टेडिम के गेट से किया गया। अतिथि विधायक प्रबोध मिंज,महापौर मंजूषा भगत,सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, आयोजक स्व. कलावती देवी के सुपुत्र

पूर्व पार्षद प्रकाश राय सहित अन्य अतिथियों के द्वारा हरी झंडी दिखाकर मैराथन का शुभारंभ किया गया। जो गांधी स्टेडिम के पुराने द्वार से निकल गांधीचौक, बिलासपुर चौक, खरसिया चौक, बंगाली चौक, प्रतापपुर चौक,मिशन चौक,आकाशवाणी चौक से होते हुए स्टेडियम के गांधी मंदिर के तरफ के गेट में संपन्न हुई। पुरस्कार वितरण समारोह का शुभारंभ अतिथि विधायक प्रबोध मिंज,सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, पार्षद आलोक, शैलेश सिंह, पार्षद शिवमंगल सिंह,पार्षद शशिकांत जायसवाल, राज्य अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता, विवेक सिंह ,सुशील शुक्ला, पूर्व पार्षद प्रकाश राय सहित अन्य अतिथियों के द्वारा स्व. कलावती देवी जी की छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यापर्ण करते हुए किया गया। पुरुष वर्ग में चौथे स्थान पर आशुतोष मिंज भिलाई, पांचवें स्थान पर मनीष कुमार बिलासपुर, छठवें स्थान पर मानसिंह उत्तर प्रदेश,सातवें स्थान पर राजेश मराबी बिलासपुर, आठवें स्थान पर टंकेश्वर साहू भिलाई, नौवें स्थान पर अशलेश राज सूरजपुर,दसवें स्थान पर कुश कुमार बनारस रहे,वहीं महिला वर्ग में चौथे स्थान पर रुक्मणी साहू भिलाई,पांचवे स्थान पर प्रज्ञा राजवाड़े सूरजपुर, छठवें स्थान पर फलेश्वरी राजवाड़े सूरजपुर, सातवें स्थान पर बबीता कुमारी मिर्जापुर, आठवें स्थान पर ममता ममता पैकरा अंबिकापुर, नवमें स्थान पर अर्पिता धुरिया प्रतापपुर और दसवें स्थान पर भावना साहू राजनांदगांव रही। जिन्हें क्रमशः 21 - 21 हजार रुपए और 11 वें से 20 वाँ स्थान हासिल करने वाले धावकों को 11 - 11 हजार रुपए का पुरस्कार, प्रमाणपत्र और सभी को शिल्ड का पुरस्कार दिया गया। आयोजन मंडल के अध्यक्ष पूर्व पार्षद प्रकाश राय के द्वारा जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित सभी खेल प्रशिक्षकों को विशेष सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। आयोजन में खेल प्रशिक्षक आनन्दधर दीवान, पवनीत सिंह गिल, विकास सिंह, राजेश प्रताप सिंह, प्रफुल्ल तिग्गा सहित जिले के लगभग सभी खेल प्रशिक्षकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अंबिकापुर में पहली बार अखिल भारतीय स्तर पर मैराथन का आयोजन किया गया, जिससे न सिर्फ धावकों बल्कि खेल प्रेमी दर्शकों में भी जबरदस्त उत्साह देखा गया।

पत्रकार समाज को दिशा देने वाले प्रहरी,उनका सम्मान नहीं आभार जरूरी : डीआईजी

नवा बिहान नशा मुक्ति जागरूकता अभियान ने किया पत्रकार सम्मान,नशामुक्त समाज के लिए सभी से मिलकर काम करने का आह्वान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 जून 2026
(घटती-घटना)।

नवा बिहान नशा मुक्ति जागरूकता अभियान की ओर से आयोजित पत्रकार सम्मान समारोह में डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने कहा कि पत्रकार स्वयं में सम्मानित शब्द है। कोई भी सम्मान उनके कार्य की गरिमा को नहीं बढ़ा सकता। समाज को दिशा देने में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है और नवा बिहान अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पुलिस विभाग उनकी भूमिका का आभारी है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार सुधीर

पाण्डेय ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सरगुजा प्रेस क्लब के अध्यक्ष दीपक सराठे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, समाजसेवी वंदना दत्ता तथा ब्रह्माकुमारी केंद्र की संचालिका विद्या दीदी उपस्थित रहीं। वरिष्ठ पत्रकार सुधीर पाण्डेय ने कहा कि नशामुक्ति के लिए पुलिस और सामाजिक संस्थाओं का संयुक्त प्रयास सराहनीय है। सरगुजा प्रेस क्लब के अध्यक्ष दीपक सराठे ने कहा कि नवा बिहान का अभियान समाज के लिए उपयोगी है और मीडिया भी इस जनजागरण में अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। कार्यक्रम में सरगुजा के वरिष्ठ पत्रकारों को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र और पौधा भेंटकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विभिन्न समाचार पत्रों, टीवी चैनलों और डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

नवा बिहान अभियान के संयोजक मंगल पाण्डेय ने बताया कि पिछले पांच-छह वर्षों से सरगुजा पुलिस और सामाजिक संगठनों के सहयोग से विद्यालयों, गांवों और परामर्श केंद्रों के माध्यम से लगातार नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन अनिल मिश्रा एवं संतोष दास ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अजय तिवारी ने किया।

शराब के नशे में वाहन चलाना पड़ा महंगा दो चालकों पर 20 हजार का जुर्माना

यातायात पुलिस की कार्रवाई, ड्रंक एंड ड्राइव के मामलों में न्यायालय ने लगाया अर्थदंड

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 जून 2026
(घटती-घटना)।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात नियमों का पालन कराने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत ड्रंक एंड ड्राइव के दो मामलों में न्यायालय ने वाहन चालकों पर कुल 20 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल (भापुसे) के निर्देशन में यातायात शाखा पुलिस टीम द्वारा चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी

दौरान पुलिस टीम ने दो अलग-अलग मामलों में मोटरसाइकिल चालकों को शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़ा। पहले मामले में मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी-15/डीक्यू/8552 के चालक रामकिशोर आत्मज रामशरण (36 वर्ष), निवासी लहपटरा थाना लखनपुर को जांच के दौरान शराब के नशे में पाया गया। ब्रेथ एनालाइजर जांच में भी शराब सेवन की पुष्टि हुई। वहीं दूसरे मामले में मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी-15/ईएच/6910 के चालक लल्लू राम आत्मज जमंगल राम (45 वर्ष), निवासी चैनपुर थाना लखनपुर को भी शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़ा गया। दोनों वाहन चालकों के खिलाफ धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने दोनों चालकों को 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। यातायात पुलिस ने बताया कि सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शराब पीकर वाहन चलाने, तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

कलेक्टर रेना जमील ने भैयाथान क्षेत्र का किया सघन निरीक्षण...योजनाओं की जमीनी हकीकत परखी

आंगनबाड़ी,स्वास्थ्य सेवाओं,पोषण व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा,अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 जून 2026 (घटती-घटना)। कलेक्टर रेना जमील ने शनिवार को भैयाथान विकासखंड के विभिन्न ग्रामों एवं शासकीय संस्थानों का सघन निरीक्षण कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण व्यवस्था तथा विकास कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया, निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण और सुविधाओं का किया निरीक्षण- कलेक्टर ने अपने दौरे की शुरुआत ग्राम पंचायत मसिरा के पनिका पारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र से की। यहां उन्होंने बच्चों को दिए जा रहे गर्म भोजन, टेक होम राशन (टीएचआर) वितरण, साफ-सफाई व्यवस्था तथा बाल विकास गतिविधियों का निरीक्षण किया, उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से हरी सब्जियां एवं पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि स्वस्थ एवं सशक्त भविष्य के लिए बच्चों का संतुलित पोषण अत्यंत आवश्यक है, निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित सीसी रोड का भी अवलोकन कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जानकारी ली।

मनरेगा कार्यों की समीक्षा, वैज्ञानिक तरीके से पौधारोपण के निर्देश

मनरेगा अंतर्गत संचालित कार्यों का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने पौधारोपण, कंटूर ट्रेंच निर्माण और फलदार पौधों के रोपण कार्यों की समीक्षा की, उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मिट्टी की गुणवत्ता और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप पौधों का चयन कर वैज्ञानिक पद्धति से कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि पौधारोपण अभियान सफल और दीर्घकालिक परिणाम देने वाला साबित हो सके।

बसोर बस्ती पहुंचकर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं...

समौली ग्राम स्थित बसोर समुदाय की बस्ती पहुंचकर कलेक्टर ने महिलाओं, बच्चों और ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया, उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए, कलेक्टर ने सभी पात्र बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र तथा पात्र परिवारों के राशन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, श्रमिक कार्ड, आधार कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के निर्देश दिए, उन्होंने सीएससी शिविर आयोजित कर आवश्यक दस्तावेजों के निर्माण की प्रक्रिया को सरल एवं तेज करने पर जोर दिया।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की दी प्रेरणा- ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए कलेक्टर ने महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार गतिविधियों में शामिल होने का आह्वान किया, उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से मजबूत बनने के लिए महिलाओं को शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

स्कूल छोड़ चुके बच्चों को फिर से शिक्षा से जोड़ने पर जोर- निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शिक्षा के प्रति विशेष संवेदनशीलता दिखाते हुए पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों को पुनः स्कूल से जोड़ने पर जोर दिया, उन्होंने छात्रावास में प्रवेश लेने के इच्छुक बच्चों की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, इसके अलावा भिक्षावृत्ति एवं अन्य असंगठित कार्यों में संलग्न महिलाओं को समझाइश देते हुए मनरेगा और स्व-सहायता समूहों से जुड़कर सम्मानजनक रोजगार अपनाने की सलाह दी।

हितग्राहियों को वितरित किए प्रमाण पत्र और आयुष्मान कार्ड- दौरे के दौरान कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों को जन्म प्रमाण पत्र एवं आयुष्मान कार्ड वितरित किए, साथ ही समौली में आयोजित मेडिकल कैंप का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया, उन्होंने सिकल सेल और थैलेसीमिया से प्रभावित बच्चों के बेहतर उपचार एवं नियमित स्वास्थ्य निगरानी के निर्देश भी दिए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और एनआरसी का किया निरीक्षण- कलेक्टर रेना जमील ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैयाथान का निरीक्षण कर प्रसव कक्ष, महिला वार्ड, ओपीडी एवं नवजात शिशु देखभाल इकाई (एनबीएसयू) का अवलोकन किया। उन्होंने चिकित्सकों की उपलब्धता, प्रसव सेवाओं तथा मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी लेकर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, इसके बाद उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) का निरीक्षण कर वहां भर्ती बच्चों की माताओं से चर्चा की, उन्होंने बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी लेते हुए माताओं को पोषण संबंधी आवश्यक सुझाव दिए तथा चिकित्सकों को बेहतर देखभाल एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।

हाइड्रो पावर प्लांट का भी लिया जायजा- निरीक्षण के अंतिम चरण में कलेक्टर ने पासल स्थित हाइड्रो पावर प्लांट का अवलोकन किया, उन्होंने प्लांट की कार्यप्रणाली, विद्युत उत्पादन क्षमता और संचालन व्यवस्था की जानकारी लेकर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की तथा उत्पादन और रखरखाव से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर

पूरे निरीक्षण के दौरान कलेक्टर का फोकस पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने, बच्चों की शिक्षा, महिलाओं की आत्मनिर्भरता, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और पोषण व्यवस्था को मजबूत बनाने पर रहा, उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर जवाबदेही तय की जाएगी, निरीक्षण के दौरान एसडीएम भैयाथान, जनपद पंचायत सीईओ, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने लगाया निःशुल्क विधिक सहायता शिविर

हितग्राहियों को दिया कानूनी परामर्श, आवेदन तैयार कर उपलब्ध कराई सहायता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 जून 2026 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी सरगुजा विधि प्रकोष्ठ द्वारा संकल्प भवन भाजपा कार्यालय अंबिकापुर में निःशुल्क विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पहुंचे हितग्राहियों को अधिवक्ताओं द्वारा कानूनी परामर्श दिया गया तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन तैयार कर सहायता उपलब्ध कराई गई। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को सरल एवं सुलभ कानूनी सहायता उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान विभिन्न मामलों से जुड़े हितग्राहियों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिन पर विधि प्रकोष्ठ के अधिवक्ताओं ने आवश्यक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, विद्यानंद मिश्रा, विनोद हर्ष, अरुणा सिंह, दिनेश शुक्ला, अजय सोनी सहित भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। विधि प्रकोष्ठ की ओर से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अधिवक्ता संजीव कुमार सेठ, अधिवक्ता श्यामलाल गुप्ता, अधिवक्ता अरविंद कन्नौजिया, जिला संयोजक अधिवक्ता जन्मेजय पांडेय, अधिवक्ता आशा जायसवाल, अमरेंद्र गुप्ता, विवेक पांडेय, नीलम केशरवानी, ललिता चौधरी, साक्षी सिंह, ज्योति मंडल, उदयप्रकाश सिन्हा, जयप्रकाश यादव एवं निशांत सिन्हा मौजूद रहे। विधि प्रकोष्ठ पदाधिकारियों ने बताया कि जरूरतमंद लोगों को न्याय प्रक्रिया और कानूनी अधिकारों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए इस तरह के शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे।

वन अधिकार पट्टों में देरी पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने उठाए सवाल,कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,20 जून 2026 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में वन अधिकार पट्टों के लंबित मामलों को लेकर पूर्व विधायक एवं कांग्रेस नेता गुलाब कमरो ने कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा, उन्होंने जिले के विभिन्न ग्रामों में वर्षों से वन भूमि पर निवास एवं खेती-किसानी कर रहे पात्र वनवासी और ग्रामीण परिवारों को शीघ्र वन अधिकार पट्टा प्रदान करने की मांग करते हुए विशेष सर्वे अभियान चलाने की आवश्यकता बताई। ज्ञापन में कहा गया है कि जिले के अनेक वनवासी परिवार लंबे समय से वन भूमि पर आश्रित हैं, लेकिन आज भी बड़ी संख्या में पात्र हितग्राही वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत मिलने वाले अधिकारों से वंचित हैं, वन अधिकार पट्टा नहीं मिलने के कारण उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने

में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, उन्होंने प्रशासन से लंबित दावों का त्वरित निराकरण कर पात्र परिवारों को उनका वैधानिक अधिकार दिलाने की मांग की, पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद वन अधिकार पट्टा वितरण की प्रक्रिया की गति धीमी पड़ गई है, उनका कहना है कि बड़ी संख्या में दावे अब भी लंबित हैं और ग्रामीणों को अपने अधिकारों के लिए लगातार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में वनवासियों,आदिवासियों और ग्रामीणों के अधिकारों को प्राथमिकता देते हुए वन अधिकार पट्टा वितरण की दिशा में लगातार कार्य किए गए थे,लेकिन वर्तमान सरकार इस मुद्दे पर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखा रही है, उन्होंने कहा कि वन अधिकार अधिनियम,2006 का मूल उद्देश्य अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य परंपरागत वनवासियों को उनके भूमि संबंधी अधिकार प्रदान करना है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसके क्रियान्वयन में कई बाधाएं सामने आ रही हैं, कमरो ने आरोप लगाया कि सरकार आदिवासी और वनवासी हितों की बात तो करती है, लेकिन वास्तविकता में उनके अधिकार सुनिश्चित करने में विफल साबित हो रही है, पूर्व विधायक ने प्रशासन से मांग की कि जिले के सभी संबंधित ग्रामों में विशेष सर्वे अभियान चलाया जाए,ग्राम सभाओं के माध्यम से लंबित दावों की समीक्षा की जाए तथा पात्र हितग्राहियों को शीघ्र वन अधिकार पट्टे प्रदान किए जाएं, उन्होंने कहा कि वनवासी एवं ग्रामीण परिवारों के अधिकारों की रक्षा करना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है तथा इस दिशा में तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए, गुलाब कमरो ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से वनवासियों और आदिवासियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी उनके हक और अधिकारों के लिए पूरी मजबूती के साथ संघर्ष जारी रखेगी, ज्ञापन सौंपे जाने के बाद जिले में वन अधिकार पट्टों का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है और अब वनवासी परिवारों की निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में जनकल्याणकारी योजनाओं पर हुआ मंथन

सीतापुर में भाजपा का जिलास्तरीय आयोजन, कार्यकर्ताओं से योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान

-संवाददाता-
सीतापुर,20 जून 2026 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा '12 साल विश्वास के,विकास एवं जनकल्याण के अभियान' के तहत शुक्रवार को एमएलए एजुकेशन सेंटर, सीतापुर में विकसित भारत संकल्प जिलास्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। सम्मेलन का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा पदाधिकारियों ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में संगठन और कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम है। सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय होकर कार्य करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज, कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष रामकिसून सिंह, पूर्व सांसद कमलभान सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री विनोद हर्ष, अरुणा सिंह, नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह, अनिल अग्रवाल, अंबिकेश केसरी, रज्जू राम, अशोक गुप्ता, अनिल निराला, बिंदेश्वरी लाल पैंकरा, वैभव सिंह, मधुसूदन शुक्ला, जन्मेजय मिश्रा सहित जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को उनके लंबे संघर्ष और संगठन के प्रति समर्पण के लिए अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

गांवों की सुरक्षा मजबूत करने पुलिस का कोटवारों से संवाद, सूचना तंत्र विकसित करने पर जोर

मणीपुर,लुंड्रा थाना एवं रघुनाथपुर चौकी क्षेत्र में आयोजित हुआ कोटवार सम्मेलन,अपराध रोकने में सहयोग की अपील

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 जून 2026 (घटती-घटना)। ग्राम स्तर पर पुलिस की पहुंच और सूचना तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा कोटवार सम्मेलन का आयोजन किया गया। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के निर्देशन में थाना मणीपुर, थाना लुंड्रा एवं चौकी रघुनाथपुर पुलिस टीम ने थाना परिसर में क्षेत्र के ग्राम कोटवारों की बैठक लेकर अपराध नियंत्रण और ग्राम सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सम्मेलन में पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गांवों में होने वाली छोटी-बड़ी घटनाओं, बाहरी लोगों की गतिविधियों, विवादों और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी समय पर मिलने से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। इसके लिए पुलिस और कोटवारों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। कोटवारों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने गांवों में संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों, बड़े विवाद, जमीन संबंधी मामलों, दुर्घटनाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं की सूचना तत्काल पुलिस तक पहुंचाएं। साथ ही ग्रामीणों को ठगी और अन्य अपराधों से बचाव के लिए जागरूक करने में सहयोग करें। बैठक के दौरान साइबर अपराधों को लेकर भी चर्चा की गई। पुलिस ने कोटवारों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, बैंकिंग धोखाधड़ी जैसे बढ़ते मामलों की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को सतर्क करने की अपील की। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गांवों में कोटवार पुलिस और ग्रामीणों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करते हैं। उनके सहयोग से अपराधों की रोकथाम, सूचना संकलन और कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलती है।

इस अवसर पर थाना मणीपुर प्रभारी उप निरीक्षक सी.पी. तिवारी, चौकी रघुनाथपुर प्रभारी उप निरीक्षक आर.एन. पटेल, थाना लुंड्रा से सहायक उप निरीक्षक एस.आर. साहू सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं क्षेत्र के ग्राम कोटवार मौजूद रहे।

बारात की खुशियां मातम में बदलीं

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 जून 2026 (घटती-घटना)। मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर में बारात की तैयारियों के बीच 35 वर्षीय कृष्णा प्रसाद खाना खाने के बाद हाथ धोने के लिए बाहर निकला और बाड़ी स्थित कुएं में गिर गया। परिजनों ने उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद शादी वाले घर की खुशियां मातम में बदल गईं।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल पर भाजयुमो ने चलाया स्वच्छता अभियान

शंकर घाट मंदिर परिसर और छठ घाट में कार्यकर्ताओं ने किया श्रमदान,स्वच्छ भारत का लिया संकल्प

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 जून 2026 (घटती-घटना)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के सफल एवं जनकल्याणकारी कार्यकाल के उपलक्ष्य में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) महामाया मंडल द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत शंकर घाट स्थित मंदिर परिसर एवं छठ घाट में कार्यकर्ताओं ने साफ-सफाई कर श्रमदान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन एवं महापौर श्रीमती मंजूषा भगत की उपस्थिति में आयोजित अभियान में भाजपा महामाया मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष निशांत सिंह शोलू एवं युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुधांशु चौबे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष निशांत सिंह शोलू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और सुशासन के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। स्वच्छता अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने स्वच्छ भारत और विकसित भारत के संकल्प को मजबूत किया है। कार्यक्रम में जन्मेजय मिश्रा, संजीव वर्मा, निरंजन रॉय, प्रियंका चौबे, प्रिया सिंह, सरस्वती यादव, अविनाश मंडल, अभिषेक सिंह पिंटी, ऋषु अंबष्ट, ओंकारेश्वर सिंह, सौरभ मिश्रा, आदिया गौतम, मनीष सिंह, रोहित विश्वकर्मा, शिरीष भगत, एमान सिद्दीकी, अरुण तिवारी, अमन विश्वकर्मा, अंश प्रताप सिंह, प्रयाग कंसारी, प्रशांत पांडे, रोहित सोनी सहित भाजपा एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में भाजयुमो मंडल अध्यक्ष सुधांशु चौबे ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी सामाजिक एवं सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

नाम सुधार सूचना

मैं अरविन्द खलखो आ0 नेस्तौर खलखो उम्र 48 वर्ष निवासी वार्ड नम्बर 03 रनपुर थाना व तह0 बगीचा जिला जशपुर छ0ग0 पते का स्थायी निवासी हूँ । कि मेरी पुत्री का सही नाम सेलिन खलखो CELINE XALXO हैं जो मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है जो सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री का आधार कार्ड क्रमांक 813940085711 में मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश सिलीन खलखो SILIN XALXO अंकित किया गया है जो असत्य हैं। उक्त दोनो नाम सेलिन खलखो CELINE XALXO एवं SILIN XALXO एक ही व्यक्ति का नाम मेरी पुत्री का ही नाम है। मेरी पुत्री के आधार कार्ड में मेरी पुत्री का सही नाम CELINE. XALXOअंकित किया जाये जिस हेतु स्वंय का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथग्रहिता
अरविन्द खलखो

एफआईआर में नाम नहीं, फिर भी चर्चाओं में क्यों है सुशील का नाम?

जांच के दायरे में आएगा या बना रहेगा सवाल?

नौगई हत्याकांड का अनसुलझा किरदार,एफआईआर से बाहर 'सुशील' पर क्यों टिकी हैं सबकी निगाहें?

एफआईआर में नहीं 'सुशील',फिर भी हर चर्चा में उसका जिक्र...क्या पुलिस करेगी भूमिका की जांच?

घटना के बाद से फरार बताए जाने वाले 'सुशील' पर सवाल,क्या जांच की नजर उस तक पहुंचेगी? क्या किसी बड़े नाम तक पहुंचने से पहले रुक गई जांच? 'सुशील' को लेकर उठ रहे हैं सवाल

एफआईआर से बाहर,लेकिन जनचर्चा के केंद्र में...कौन है 'सुशील' और क्या है उसकी भूमिका?

नौगई हत्याकांडः क्या 'सुशील' केवल अफवाह है या जांच का छूटा हुआ पहलू?

-रवि सिंह-

कोरिया/सोनहत,20 जून 2026 (घटती-घटना)। नौगई तिहरे हत्याकांड में अब तक हुई गिरफ्तारियों और कथित आत्मसमर्पण की घटनाओं के बाद जहां पुलिस अपनी विवेचना को आगे बढ़ा रही है, वहीं क्षेत्र में एक नाम की चर्चा लगातार तेज होती जा रही है, यह नाम सुशील त्रिपाठी का बताया जा रहा है,स्थानीय स्तर पर लोग दबी जुबान से यह सवाल उठाते दिखाई दे रहे हैं कि आखिर इस पूरे घटनाक्रम में उसकी भूमिका क्या है और क्या पुलिस ने उसे अपनी जांच के दायरे में शामिल किया है? हालांकि पुलिस की ओर से इस नाम को लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन क्षेत्र में चल रही चर्चाओं ने इस विषय को जांच का एक महत्वपूर्ण बिंदु बना दिया है,लोगों का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति के नाम की इतनी व्यापक चर्चा हो रही है तो उसकी भूमिका की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। बता दे की नौगई तिहरे हत्याकांड की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे कुछ ऐसे नाम भी चर्चाओं में सामने आ रहे हैं जिनका उल्लेख अब तक सार्वजनिक रूप से उपलब्ध एफआईआर में नहीं है, इन्हीं नामों में एक नाम ÷सुशील त्रिपाठी÷ का भी बताया जा रहा है, जिसकी चर्चा घटना के बाद से क्षेत्र में लगातार हो रही है, स्थानीय स्तर पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि किसी व्यक्ति के नाम को लेकर लगातार चर्चा है और उसके बारे में विभिन्न प्रकार की बातें सामने आ रही हैं, तो क्या उसकी भूमिका की भी जांच की जा रही है? या फिर वह अब तक जांच के दायरे से बाहर है?

क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं...लेकिन जांच से ही सामने आएगी सच्चाई....

गांव और आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की चर्चाएं सुनाई दे रही हैं, कुछ लोग एक प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका की बात कर रहे हैं तो कुछ लोग एक महिला के नाम का भी उल्लेख करते हैं। हालांकि इन चर्चाओं की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, यही कारण है कि जांच एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल आरोपियों तक सीमित न रहकर उन सभी संभावित पहलुओं की जांच करना है जिनकी चर्चा जनता के बीच हो रही है, इससे न केवल वास्तविक तथ्य सामने आएंगे बल्कि निराधार चर्चाओं पर भी विराम लगेगा।

क्या मोबाइल रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य दे सकते हैं जवाब?

मामले में कई लोगों का मानना है कि मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), लोकेशन डेटा और डिजिटल साक्ष्य इस पूरे विवाद के कई सवालों का जवाब दे सकते हैं, यदि जांच एजेंसियां घटना से पहले और बाद के संपर्कों की तकनीकी जांच करती हैं तो यह स्पष्ट हो सकता है कि किन लोगों का किन-किन व्यक्तियों से संपर्क था और किसकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण थी।

परिवार में प्रभावशाली और पहुंच वाला व्यक्ति होने की चर्चा...

स्थानीय लोगों के अनुसार सुशील नाम का व्यक्ति आरोपियों के परिवार से जुड़ा हुआ बताया जाता है और परिवार में सबसे प्रभावशाली तथा संपर्क संपन्न लोगों में उसकी गिनती की जाती है, क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि परिवार के कई निर्णयों में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है और उसकी पहुंच विभिन्न स्तरों तक है, यही कारण है कि जब इस जघन्य तिहरे हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारियां शुरू हुई तो लोगों के बीच यह सवाल भी उठने लगा कि क्या इस व्यक्ति से पुलिस ने पूछताछ की है? क्या उसके बयान लिए गए हैं? क्या उसकी गतिविधियों और संपर्कों की जांच की गई है?

क्या वह केवल चर्चा का विषय है या जांच का भी हिस्सा?

पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिस व्यक्ति का नाम लगातार चर्चाओं में सामने आ रहा है,क्या वह पुलिस विवेचना का हिस्सा है? लोगों का मानना है कि यदि पुलिस निष्पक्ष और व्यापक जांच कर रही है तो उसे केवल गिरफ्तार आरोपियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उन सभी व्यक्तियों की भूमिका भी देखनी चाहिए जो घटना से पहले या बाद में आरोपियों के संपर्क में रहे हों,स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति के नाम को लेकर लगातार चर्चा हो रही है तो पुलिस को या तो उसकी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए अथवा यह बताना चाहिए कि जांच में उसके संबंध में क्या तथ्य सामने आए हैं।

एफआईआर में नाम नहीं,क्या बाद की विवेचना में सामने आ सकते हैं नए तथ्य?

कानूनी जानकारों का मानना है कि किसी भी आपराधिक मामले में एफआईआर अंतिम दस्तावेज नहीं होती,विवेचना के दौरान नए तथ्य,नए साक्ष्य और नए नाम सामने आ सकते हैं, ऐसे में यदि जांच एजेंसियों को किसी व्यक्ति की भूमिका से संबंधित कोई तथ्य प्राप्त होते हैं तो उसे बाद की कार्रवाई में शामिल किया जा सकता है, इसी कारण क्षेत्र में यह सवाल उठ रहा है कि क्या पुलिस ने चर्चाओं में आए सभी नामों की भूमिका का परीक्षण किया है? क्या उनके बयान लिए गए हैं? क्या उनके मोबाइल संपर्कों और गतिविधियों की जांच की गई है?

मास्टरमाइंड होने की चर्चा...

क्षेत्र में कुछ लोग यह भी कहते सुने जा रहे हैं कि पूरा घटनाक्रम सुनियोजित था और उसके पीछे किसी प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका हो सकती है। इन्हीं चर्चाओं के बीच कुछ लोग सुशील नाम के व्यक्ति को संभावित मास्टरमाइंड तक बताते हैं, हालांकि यह केवल स्थानीय चर्चाएं हैं और इसकी किसी भी स्तर पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,कानून के अनुसार किसी भी व्यक्ति को केवल चर्चाओं के आधार पर दोषी नहीं माना जा सकता। लेकिन यदि ऐसी चर्चाएं व्यापक स्तर पर मौजूद हैं तो पुलिस की जिम्मेदारी बनती है कि वह उन सभी संभावित पहलुओं की निष्पक्ष जांच करे जिससे सच्चाई सामने आ सके।

क्या आरोपियों की फरारी और कथित आत्मसमर्पण से भी जुड़े हैं तार?

क्षेत्र में यह चर्चा भी सुनाई दे रही है कि यदि आरोपियों ने फरारी के दौरान किसी प्रकार की मदद प्राप्त की होगी तो उसका सुराग मोबाइल संपर्कों और डिजिटल साक्ष्यों से मिल सकता है,कुछ लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि क्या आरोपियों को सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध कराने अथवा बाद में कथित आत्मसमर्पण की परिस्थितियां तैयार करने में किसी प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका रही? हालांकि यह सभी बातें अभी चर्चा और आशंकाओं के दायरे में हैं, इनकी पुष्टि केवल निष्पक्ष और तथ्य आधारित जांच से ही हो सकती है,लेकिन लोगों का कहना है कि जांच एजेंसियों को इन संभावनाओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

जांच का सबसे बड़ा सवाल अभी भी बरकरार

फिलहाल पूरे मामले में सबसे बड़ा प्रश्न यही बना हुआ है कि जिस व्यक्ति के नाम की चर्चा क्षेत्र में सबसे अधिक हो रही है,क्या उसकी भूमिका पुलिस जांच के दायरे में है? क्या उससे पूछताछ हुई है? क्या उसके मोबाइल संपर्कों और गतिविधियों की जांच की गई है? इन सवालों के जवाब अभी सामने नहीं आए हैं,लेकिन इतना तय है कि नौगई तिहरे हत्याकांड की जांच में यह पहलू अब जनचर्चा का एक महत्वपूर्ण विषय बन चुका है। आने वाले समय में पुलिस विवेचना ही यह स्पष्ट करेगी कि चर्चाओं में शामिल नामों की वास्तविक भूमिका क्या थी और क्या वे केवल अफवाहों का हिस्सा थे या जांच में कोई ठोस तथ्य भी सामने आते हैं।

जनता के बीच सबसे बड़ा सवाल...

वर्तमान में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिन नामों की चर्चा क्षेत्र में लगातार हो रही है, क्या वे पुलिस विवेचना का हिस्सा हैं? यदि हैं तो जांच किस स्तर तक पहुंची है और यदि नहीं हैं तो क्या कारण हैं? नौगई तिहरे हत्याकांड अब केवल गिरफ्तारी और आरोप तय होने का मामला नहीं रह गया है। जनता यह जानना चाहती है कि क्या जांच हर उस दिशा में आगे बढ़ रही है जहां से सच्चाई सामने आ सकती है। क्योंकि किसी भी जघन्य अपराध में न्याय तभी पूर्ण माना जाता है जब हर संभावित भूमिका की निष्पक्ष जांच हो और किसी भी व्यक्ति को न तो बिना साक्ष्य दोषी ठहराया जाए और न ही किसी को जांच से बाहर रखा जाए।

नौगई तिहरा हत्याकांडः अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात,कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़/बैकुण्ठपुर,20 जून 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के चर्चित नौगई तिहरा हत्याकांड को लेकर न्याय की मांग लगातार तेज होती जा रही है, इसी क्रम में आज अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, मनेंद्रगढ़ (एमसीबी) के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एकत्रित होकर बैकुण्ठपुर पहुंचकर दिवंगत स्वर्गीय लल्ला सिंह के निवास पर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। महासभा के प्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार को इस कठिन समय में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि समाज न्याय की इस लड़ाई में परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है, समाजजनों ने घटना को अत्यंत दुखद एवं निंदनीय बताते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया, इसके बाद महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने कोरिया कलेक्टर से भेंट कर घटना के संबंध में उचित, निष्पक्ष एवं त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा, ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा उन्हें कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की गई, महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया है और पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय मिलना चाहिए, उन्होंने प्रशासन से अपेक्षा जताई कि मामले की जांच निष्पक्ष रूप से पूरी कर दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाए, ताकि आमजन का न्याय व्यवस्था पर विश्वास बना रहे, प्रतिनिधिमंडल ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि पीड़ित परिवार को समयबद्ध न्याय नहीं मिला और प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो समाज के लोग लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक दायरे में रहकर व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी, इस अवसर पर उपस्थित सभी समाजजनों ने एकजुटता का परिचय देते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग एवं समर्थन देने का संकल्प लिया।

समाज की प्रमुख मांगें...

- नौगई तिहरा हत्याकांड की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच।
- सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी।
- दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई।
- पीड़ित परिवार को त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जाए।
- मामले की जांच में किसी भी प्रकार का राजनीतिक या बाहरी प्रभाव न हो।

चिरमिरी में आकार ले रहा तकनीकी शिक्षा का नया केंद्र

9.11 करोड़ की लागत से बन रहा शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज भवन

-संवाददाता-

चिरमिरी,20 जून 2026 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के चिरमिरी में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल तेजी से साकार हो रही है, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरदर्शी सोच और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल के प्रयासों से लगभग 9 करोड़ 11 लाख 44 हजार रुपये की लागत से नवीन शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज भवन का निर्माण कार्य तेजी से जारी है।

निर्माणाधीन यह आधुनिक शिक्षण संस्थान क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा, कॉलेज के प्रारंभ होने से चिरमिरी एवं आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को तकनीकी शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों दोनों की बचत होगी, यह पॉलिटेक्निक कॉलेज विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित करेगा,साथ ही,स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, क्षेत्रवासियों का मानना है कि यह परियोजना केवल एक भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार तैयार करने वाली पहल है, कॉलेज के पूर्ण होने के बाद चिरमिरी क्षेत्र तकनीकी शिक्षा के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित होगा और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्य बिंदु...

- निर्माण लागतः 9 करोड़ 11 लाख 44 हजार
- स्थानः चिरमिरी, मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र
- उद्देश्यः तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर बढ़ाना
- लाभार्थीः चिरमिरी एवं आसपास के क्षेत्र के विद्यार्थी और युवा
- लक्ष्यः आत्मनिर्भर और कुशल युवा शक्ति का निर्माण यह परियोजना प्रदेश सरकार की शिक्षा और युवा सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है, जो भविष्य के लिए सक्षम और प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नौगई तिहरा हत्याकांड आत्मसमर्पण या गिरफ्तारी?

क्या न्याय की राह भटक रही जांच? नौगई कांड में उठ रहे नए संदेह...
आरोपी फरार थे या संरक्षण में? नौगई कांड में आत्मसमर्पण की कहानी पर सवाल
मृतकों की गाड़ी की जांच हुई,आरोपियों की क्यों नहीं? नौगई कांड में पुलिस कटघरे में...
आत्मसमर्पण की पटकथा या गिरफ्तारी की हकीकत? नौगई कांड में खुल रहे नए राज...
नौगई हत्याकांड : जांच से ज्यादा सवाल पैदा कर रही पुलिस की कार्यप्रणाली
मृतकों की गाड़ी में नहीं मिला हथियार,फिर हमलावरों तक पेट्रोल और संसाधन कैसे पहुंचे?
मनेंद्रगढ़ में ही क्यों हुआ आत्मसमर्पण...क्या सीडीआर जांच खोलेगी कई राज?
संदिग्ध लावारिस वाहन का रहस्य अब भी बरकरार...

-रवि सिंह-

कोरिया/सोनहत,20 जून 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के सोनहत थाना क्षेत्र अंतर्गत नौगई में हुए तिहरे हत्याकांड की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे कई नए सवाल भी सामने आते जा रहे हैं,तीन लोगों की दर्दनाक मौत, वाहन में आगजनी,पूर्व विवाद की जानकारी, घटना के बाद आरोपियों का फरार होना और फिर मनेंद्रगढ़ में चार आरोपियों के कथित आत्मसमर्पण की कहानी ने पूरे मामले को केवल एक आपराधिक घटना तक सीमित नहीं रहने दिया है, अब यह मामला पुलिस विवेचना की दिशा, उसकी निष्पक्षता और जांच की पारदर्शिता को लेकर भी चर्चा का विषय बन गया है।

दैनिक घटती-घटना किसी भी व्यक्ति को दोषी अथवा निर्दोष घोषित नहीं कर रहा है, यह न्यायालय और जांच एजेंसियों का विषय है, लेकिन जनहित में उठ रहे सवालों और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह आवश्यक हो जाता है कि उन सभी पहलुओं पर चर्चा हो जिनकी जांच होने से सच्चाई तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

कथित आत्मसमर्पण की कहानी पर सबसे बड़ा सवाल

पूरे मामले में सबसे अधिक चर्चा चार फरार आरोपियों के मनेंद्रगढ़ पुलिस थाने में किए गए कथित आत्मसमर्पण को लेकर हो रही है, सवाल यह है कि यदि आरोपी वास्तव में आत्मसमर्पण करना चाहते थे तो उन्होंने मनेंद्रगढ़ थाना ही क्यों चुना? आत्मसमर्पण किसी भी जिले के किसी भी पुलिस थाने में किया जा सकता था, आरोपी सीधे न्यायालय में भी आत्मसमर्पण कर सकते थे,वे कोरिया जिले के किसी अन्य थाने में जा सकते थे,पड़ोसी जिले के थानों में जा सकते थे, यहां तक कि दूसरे राज्य में भी कानून के समक्ष प्रस्तुत हो सकते थे,फिर ऐसा क्या कारण था कि सभी आरोपी एक ऐसे थाने पहुंचे जहां एक ऐसे प्रधान आरक्षक की पदस्थापना की चर्चा है जो कथित रूप से उनके स्वजातीय और दूर के रिश्तेदारी संबंधों से जुड़ा बताया जा रहा है? यही प्रश्न पूरे मामले को सामान्य आत्मसमर्पण की कहानी से अलग बना देता है।

शुरुआती स्तर पर दुर्घटना की संभावना क्यों व्यक्त की गई?

मामले में एक और चर्चा उस प्रारंभिक बयान को लेकर है जिसमें कथित रूप से घटना को बिजली के तारों से जुड़ी दुर्घटना जैसी संभावना से जोड़कर देखा गया था, लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब फॉरेंसिक रिपोर्ट नहीं आई थी, जब वैज्ञानिक जांच पूरी नहीं हुई थी, तब ऐसा निष्कर्ष किस आधार पर व्यक्त किया गया? क्या यह केवल प्रारंभिक अनुमान था? क्या उपलब्ध परिस्थितियां वास्तव में ऐसा संकेत दे रही थीं? या फिर यह एक जल्दबाजी में दिया गया बयान था? इन सवालों का जवाब भी जनता जानना चाहती है।

क्या कोई बड़ा नाम अब भी जांच से बाहर है?

पूरे मामले में एक प्रभावशाली व्यक्ति के नाम की चर्चा भी लगातार हो रही है, क्षेत्र में कई लोग मानते हैं कि यदि घटना सुनियोजित थी तो केवल प्रत्यक्ष आरोपियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं होगी, यह भी पता लगाना होगा कि योजना किसने बनाई, किसने सहयोग दिया और किसने फरारी के दौरान मदद की, हालांकि किसी व्यक्ति को केवल चर्चाओं के आधार पर दोषी नहीं माना जा सकता, लेकिन यदि किसी नाम की लगातार चर्चा हो रही है तो जांच एजेंसियों का दायित्व है कि हर संभावना की निष्पक्ष जांच करें।

क्या स्वतंत्र एजेंसी से जांच की मांग उचित है?-

मृतकों के परिजन और क्षेत्र के अनेक लोग स्वतंत्र जांच एजेंसी से जांच की मांग कर रहे हैं, उनका तर्क है कि मामले में इतने अधिक सवाल और चर्चाएं हैं कि निष्पक्षता को लेकर संदेह पैदा हो रहा है, ऐसी स्थिति में उच्च स्तरीय निगरानी या स्वतंत्र जांच जनता के विश्वास को मजबूत कर सकती है, हालांकि यह निर्णय सरकार और सक्षम प्राधिकारियों का विषय है।

तीन मौतें...दर्जनों सवाल
नौगई हत्याकांड में न्याय से पहले जबाब तलाश रहा पूरा जिला
के विरोध में
इस्तीफा!

नौगई हत्याकांड
समझौते की मेज से श्मशान तक
क्या सत्ता, रसूख और अहंकार कानून से बड़े हो गए हैं?
नौगई की जलती गाड़ी में सिर्फ लोग नहीं, इंसानियत भी खाक हुई
रेत खदान से शुरु हुआ विवाद पहुंचा सामूहिक हत्याकांड तक, न्याय की राह देख रहा पूरा कोरिया
तीन चिताएं, अनगिनत सवाल: आखिर किसके संरक्षण में तैयार हुई यह साजिश?

घटती घटना
कोरिया समाचार
अम्बिकापुर शुक्रवार 19 जून 2026
कोरिया तिहरा हत्याकांड:
'लाल रेत' के खूनी खेल में तीन मौतें, जलती फॉर्च्यूनर ने खोली अवैध साम्राज्य की परतें, सवालों के घेरे में पूरा सिस्टम
लाल रेत का काला साम्राज्य
सच की तह तक कब पहुंचेगा सिस्टम?
घटनास्थल पर आरोपियों से पूछताछ,4 गिरफ्तार
3 फरार,धारा 163 लागू...खनिज विभाग और प्रशासन की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

नौगई से उठी आग की लपटें
क्या छत्तीसगढ़ की रेत नीति ने पैदा कर दिया अपना 'भिंड-मुरैना'?

घटती घटना
सत्य के साथ...जनहित में बात...
दिन में एफआईआर,रात में मौत का तांडव!
शाम 4:47 बजे दर्ज हुई मारपीट की रिपोर्ट,कुछ घंटे बाद जलती गाड़ी में मिली लाशें
नौगई की जलती रात...रेत के वर्चस्व की लड़ाई में तीन जिंदगियां राख...पूरे छत्तीसगढ़ को झकझोर गया कोरिया का हत्याकांड

जब अन्य कई छोटे मामलों में भी हुई बुलडोजर कार्यवाही,इस मामले में आखिर क्यों नहीं हुई ऐसी कार्यवाही...

पूरे मामले में बुलडोजर कार्यवाही की भी मांग की गई है,इधर ऐसा एक बार भी आभास नहीं हुआ कि प्रशासन का ध्यान इस तरफ है,बुलडोजर कार्यवाही के कई उदाहरण प्रदेश में मौजूद हैं,इस मामले में क्या बुलडोजर कार्यवाही होगी या अब भी पुलिस और प्रशासन मामले को अलग मोड देने में लगा है,आरोपियों के भी आपराधिक रिकॉर्ड की गिनती पुलिस ने की इस आधार पर बुलडोजर कार्यवाही की मांग है,इधर कुछ सोशल मीडिया पोस्ट पर ध्यान दें तो यह भी पढ़ने को मिल रहा है कि एक समुदाय विशेष तक ही बुलडोजर कार्यवाही नजर आती है,इस मामले में अब इसका इंतजार है।

पुलिस की कार्यवाही में कोई कहीं से पकड़ाया,कोई आत्मसमर्पण किया,कोई घर से पकड़ाया,पल पल अलग कहानी...

पुलिस की कहानी में चार घर से पकड़े गए या सोनहत से ही पकड़े गए,चार ने आत्मसमर्पण किया और एक खड़गवां से पकड़ाया,अलग अलग कहानी और आत्मसमर्पण सहित एक का एमसीबी जिले में पकड़ा जाना,कुल मिलाकर आरोपी सभी आसपास ही किसी के संरक्षण में थे और वह क्रमशः पुलिस के हांथ आते रहे,एक ही दिन में चार का आत्मसमर्पण एक साथ और एक का पकड़ा जाना अजीब तरह की कहानी।

न्याय का रास्ता केवल निष्पक्ष जांच से...

नौगई तिहरे हत्याकांड में सबसे महत्वपूर्ण बात यह नहीं है कि कौन क्या दावा कर रहा है,सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सत्य क्या है,यदि आत्मसमर्पण हुआ है तो उसके तथ्य सामने आने चाहिए, यदि गिरफ्तारी हुई है तो वह भी स्पष्ट होना चाहिए, यदि किसी पुलिसकर्मी की भूमिका संदिग्ध नहीं है तो जांच उसे पूरी तरह स्पष्ट कर दे,यदि किसी ने आरोपियों को संरक्षण दिया है तो उसकी भी जवाबदेही तय हो, क्योंकि किसी भी जघन्य अपराध में न्याय केवल आरोपियों की गिरफ्तारी से नहीं मिलता,बल्कि पूरी साजिश,सहयोगियों,संरक्षण देने वालों और घटना की वास्तविक पृष्ठभूमि के उजागर होने से मिलता है।

सवालों के जवाब ही तय करेंगे जांच की विश्वसनीयता

नौगई तिहरे हत्याकांड अब केवल हत्या का मामला नहीं रह गया है,यह पुलिस विवेचना,कथित आत्मसमर्पण,संभावित संरक्षण,तकनीकी साक्ष्यों,संदिग्ध संपर्कों और जांच की पारदर्शिता से जुड़ा मामला बन चुका है,आज जनता, मृतकों के परिजन और पूरा क्षेत्र कुछ मूलभूत सवालों के जवाब चाहता है–आत्मसमर्पण क्यों और कहां हुआ? आरोपियों के संपर्क में कौन था? लावारिस वाहन किसका था? घटना पूर्व पुलिस की तैयारी क्या थी? और क्या जांच हर उस दिशा में आगे बढ़ रही है जहां से सच्चाई सामने आ सकती है? इन सवालों के जवाब ही तय करेंगे कि जांच केवल एक औपचारिक प्रक्रिया थी या वास्तव में न्याय तक पहुंचने का ईमानदार प्रयास।

क्या यह आत्मसमर्पण था या गिरफ्तारी?

मामले में सबसे गंभीर चर्चा इसी विषय को लेकर है,सूत्रों का दावा है कि यह आत्मसमर्पण नहीं बल्कि गिरफ्तारी थी, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, दूसरी ओर पुलिस इसे आत्मसमर्पण बता रही है, यहीं से कई सवाल जन्म लेते हैं,यदि आरोपी स्वयं आत्मसमर्पण करने पहुंचे थे तो क्या उनके थाने पहुंचने के सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध हैं? वे थाने तक कैसे पहुंचे? क्या वे पैदल पहुंचे? क्या वे निजी वाहन से आए? क्या वे किसी अन्य व्यक्ति के साथ आए? क्या उन्हें कोई पुलिसकर्मी लेकर आया? इन सवालों के जवाब अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यदि आरोपी स्वयं चलकर कानून के समक्ष उपस्थित हुए हों तो स्थिति अलग है, लेकिन यदि उन्हें किसी पुलिसकर्मी द्वारा लाया गया हो, किसी वाहन में बैठाकर थाने पहुंचाया गया हो या पुलिस पहले से उनके संपर्क में रही हो, तो फिर यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि इसे आत्मसमर्पण क्यों कहा जा रहा है? कानूनी दृष्टि से भी आत्मसमर्पण और गिरफ्तारी दो अलग-अलग परिस्थितियां हैं, यदि पुलिस किसी आरोपी तक पहुंचती है, उसे अपने साथ लेकर आती है अथवा उसके सामने आने की व्यवस्था करती है तो उस स्थिति को लेकर विस्तृत जांच आवश्यक हो जाती है।

प्रधान आरक्षक की भूमिका क्यों बन रही है चर्चा का विषय?

पूरे मामले में एक प्रधान आरक्षक का नाम लगातार चर्चा में है,स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि आरोपी और उक्त प्रधान आरक्षक स्वजातीय संबंध रखते हैं और दूर की रिश्तेदारी भी बताई जाती है, दैनिक घटती-घटना किसी भी पुलिसकर्मी पर आरोप नहीं लगा रहा है, लेकिन यदि ऐसी चर्चाएं व्यापक स्तर पर मौजूद हैं तो निष्पक्ष जांच की दृष्टि से संबंधित पुलिसकर्मी की भूमिका की जांच आवश्यक मानी जा रही है, क्या घटना के बाद आरोपी और संबंधित पुलिसकर्मी संपर्क में थे? क्या फरारी के दौरान दोनों के बीच बातचीत हुई? क्या किसी प्रकार का मार्गदर्शन या संरक्षण उपलब्ध कराया गया? क्या कथित आत्मसमर्पण से पहले कोई संवाद हुआ? इन सभी प्रश्नों का उत्तर मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर),लोकेशन डेटा और डिजिटल साक्ष्यों से मिल सकता है।

पुलिस ने खुद एमसीबी जिला मुख्यालय ले जाकर आरोपियों का दिखाया

आत्मसमर्पण,सूत्र सूत्रों का कहना है कि एमसीबी जिले के एक प्रधान आरक्षक ने आत्मसमर्पण की कहानी गढ़ी है,यह जबकि गिरफ्तारी है,आरोपियों को पुलिस खुद गाड़ी में लेकर पुलिस थाने पहुंची है और वह इसे आत्मसमर्पण का मामला बतला रही है, पूरे मामले में अब सीबीआई जांच ही असल सच्चाई सामने ला सकती है वरना जारी कार्यवाही आरोपियों के पक्ष में बचाव अभियान नजर आ रही है।

शिक्षा मंत्री ने मामले में दिया अबतक का सबसे बड़ा बयान,जमीदोज होंगे...

मामले के आरोपियों के घर पूरे मामले में अब तक का सबसे बड़ा बयान स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का सामने आया है, उन्होंने पत्रकारों के सवालों पर साफ तौर पर यह कहा है कि मामले के आरोपियों के घर निश्चित ही जमीदोज किए जाएंगे,शिक्षा मंत्री के इस बयान को शासन और सरकार की सुशासन मानसिकता से जोड़कर देखा जा रहा है, इस बयान की चौतरफा चर्चा है और माना जा रहा है कि सरकार इस मामले में विचार घर जमीदोज करने का कर चुकी है।

क्या सीडीआर जांच खोल सकती है पूरा राज?

आधुनिक आपराधिक जांच में सीडीआर सबसे महत्वपूर्ण साक्ष्यों में से एक मानी जाती है,यदि जांच एजेंसियां आरोपियों, उनके करीबी लोगों और चर्चा में आए पुलिसकर्मियों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच करें तो कई बातें स्पष्ट हो सकती हैं,घटना के पहले कौन किसके संपर्क में था? घटना के बाद किसने किससे बात की? फरारी के दौरान आरोपी किन लोगों से जुड़े रहे? मनेंद्रगढ़ पहुंचने से पहले उनकी लोकेशन क्या थी? क्या वे वास्तव में फरार थे या किसी सुरक्षित स्थान पर मौजूद थे? ऐसे कई सवालों का उत्तर तकनीकी जांच से सामने आ सकता है।

घटना पूर्व पुलिस की सक्रियता पर भी सवाल...

घटना से पहले की परिस्थितियां भी कई सवाल पैदा कर रही हैं,स्थानीय स्तर पर जानकारी सामने आई कि संभावित तनाव और विवाद को देखते हुए घटना दिवस देर रात तक सोनहत क्षेत्र में आने-जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही थी,यदि पुलिस को विवाद की संभावना की जानकारी थी और जांच अभियान चलाया जा रहा था तो फिर यह सवाल उठता है कि इतनी बड़ी वारदात आखिर कैसे हो गई? क्या खतरे का सही आकलन नहीं किया गया? क्या दोनों पक्षों की गतिविधियों पर समान निगरानी नहीं रखी गई? क्या पुलिस के पास उपलब्ध सूचनाओं का प्रभावी उपयोग नहीं हुआ? इन प्रश्नों के उत्तर भी जांच का हिस्सा बनने चाहिए।

मृतकों के वाहनों की जांच हुई, आरोपियों के पक्ष की क्यों नहीं?

जानकारी के अनुसार मृतकों के वाहनों की जांच की गई थी और उनमें से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ था, यदि यह तथ्य सही है तो फिर बड़ा प्रश्न यह है कि क्या दूसरे पक्ष की भी समान रूप से जांच हुई थी? क्या आरोपियों के घरों की तलाशी ली गई? क्या उनके वाहनों की जांच की गई? क्या उनके आसपास की गतिविधियों पर निगरानी रखी गई? यदि पुलिस को पहले से विवाद की जानकारी थी तो केवल एक पक्ष की जांच पर्याप्त क्यों मानी गई? यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बाद में सामने आया कि घटना को अंजाम देने के लिए पेट्रोल सहित अन्य साधनों का उपयोग हुआ।

पेट्रोल और अन्य सामग्री कहां से आई?

घटना की गंभीरता को देखते हुए यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि यदि वारदात सुनियोजित थी तो आवश्यक सामग्री आरोपियों तक कैसे पहुंची? क्या घटना के पहले तैयारी की गई थी? यदि तैयारी हुई थी तो वह कहां हुई? क्या किसी ने सामग्री उपलब्ध कराई? क्या किसी ने परिवहन में मदद की? इन सभी प्रश्नों का उत्तर जांच से ही मिल सकता है।

लावारिस वाहन का रहस्य...

घटना के बाद आरोपियों के घरों के समीप से एक संदिग्ध लावारिस कार मिलने की चर्चा भी लगातार जारी है, यदि वास्तव में कोई वाहन बरामद हुआ था तो उसकी जांच के परिणाम क्या हैं? वह वाहन किसका था? वह क्षेत्र तक कैसे पहुंचा? क्या उसमें बाहरी लोग आए थे? क्या उसका घटना से कोई संबंध था? यदि वाहन का घटना से संबंध नहीं था तो यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए ताकि अनावश्यक चर्चाओं पर विराम लग सके।

शादी के बाद सामंथा की नई वीडियो से बढ़ी हलचल

सामंथा रुथ प्रभु एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गई हैं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने 1 दिसंबर 2025 को राज निदिमोरू से शादी की थी। दोनों ने कोयंबटूर स्थित ईशा योग केंद्र के लिंग भैरवी मंदिर में गुपचुप तरीके से शादी की थी,जिसकी खबर सामने आने के बाद से ही वह लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अब हाल ही में सामंथा रुथ प्रभु का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद उनके फैंस के बीच अलग-अलग तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स इस वीडियो को उनकी पर्सनल लाइफ से जोड़कर देख रहे हैं और कई तरह की अटकलें भी लगाई जा रही हैं।
वायरल वीडियो में सामंथा की मौजूदगी को लेकर फैंस तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। हालांकि इस पूरे मामले को लेकर अब तक उनकी तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इसी वजह से यह चर्चा और भी तेज हो गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वीडियो लगातार शेयर किया जा रहा है और यह ट्रेंडिंग में बना हुआ है। सामंथा रुथ प्रभु साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है। अपनी शानदार एक्टिंग और स्क्रीन प्रेजेंस के कारण उन्होंने देशभर में एक अलग पहचान बनाई है। वह न सिर्फ फिल्मों में बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं। उनकी निजी जिंदगी हमेशा से ही मीडिया की नजरों में रही है। पहले भी उनके रिश्तों और व्यक्तिगत जीवन को लेकर कई तरह की खबरें सामने आती रही हैं। अब शादी के बाद फिर से उनके नाम को लेकर सोशल मीडिया पर हलचल देखने को मिल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया के इस दौर में किसी भी सेलेब्रिटी का छोटा सा वीडियो या तस्वीर भी तेजी से वायरल हो जाती है और उसके अलग-अलग मतलब निकाले जाने लगते हैं। ऐसे में कई बार बिना पुष्टि के अफवाहें भी फैल जाती हैं, जो बाद में गलत साबित होती हैं।

बॉक्स ऑफिस पर धौंस जमाने आ रहा है विक्रम मालिक

तेलुगु सिनेमा में कदम रख चुके अभिनेता राघव जुयाल का द पैराडाइज से फर्स्ट लुक टीजर सामने आ चुका है,जिसे देखने के बाद फैंस भी हैरान रह गए हैं। एक डांसर के रूप में अपने सफर की शुरुआत करने वाले राघव जुयाल अब धीरे-धीरे एक्टिंग की दुनिया के किंग भी बनते जा रहे हैं। किल और बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अपने धांसू किरदार के बाद वह तेलुगु सिनेमा में धौंस जमाने की पक्की तैयारी कर चुके हैं। हाल ही में उनका नानी की फिल्म पैराडाइज से फर्स्ट लुक सामने आ गया है, जिसमें वह बिल्कुल ही अलग और खूंखार लुक में दिखाई दे रहे हैं। राघव का फिल्म से यह लुक इतना शानदार है कि फैंस उनकी तारीफों के पुल बांध चुके हैं।

विक्रम मालिक के रूप में छा गए राघव जुयाल

द पैराडाइज से जो राघव जुयाल का फर्स्ट लुक सामने आया है,उसमें उन्होंने गले में सोने की मोटी चैन पहनी हुई है और उनकी आंखों में खतरनाक ठंडापन है। वह विक्रम मालिक के रूप में एक ऐसे खूंखार विलेन की भूमिका निभा रहे हैं, जो हीरो की नींद उड़ाने के लिए ही पैदा हुआ है। जिस तरह से राघव ने तेलुगु फिल्म के लिए ट्रांसफॉर्मेशन किया है,वह जबरदस्त है। यह अब तक का अभिनेता का सबसे खतरनाक और दमदार रोल माना जा रहा है। इस छोटे से टीजर को राघव जुयाल ने खुद भी अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, लंबे इंतजार के बाद...पेश है विक्रम मालिक। आंखों में शैतानिक,शहर ममेरा तालिक,नाम मेरा खौफिक..छोटा मालिक।

राघव जुयाल के लुक ने बढ़ाई फैंस की एक्साइटमेंट

राघव जुयाल के इस लुक को देखने के बाद फैंस अपनी उत्सुकता को नहीं रोक पा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा,ओह माय गॉड..आप मजाक कर रहे हो। राघव जुयाल किसी भी लुक में खुद को ट्रांसफॉर्म कर सकता है। सिर्फ इन्हें देखो, इसमें यह बिल्कुल ही अलग इंसान लग रहा है। यह बहुत ही अनरियल सा है। दूसरे यूजर ने लिखा, टॉलीवुड में आपका स्वागत है राघव जुयाल,आपकी एक्टिंग सच में माइंड ब्लोइंग है। एक अन्य यूजर ने लिखा, पूरा बॉलीवुड एक तरफ है और अपना भाई राघव जुयाल एक तरफ है। द पैराडाइज की रिलीज डेट की बात करें तो, यह मूवी 21 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिद्धार्थ मल्होत्रा से जुड़े सीन को लेकर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में चर्चा

बॉलीवुड इंडस्ट्री में फिल्मों की शूटिंग के दौरान कई बार इंटिमेट सीन्स को लेकर चर्चाएं सामने आती रहती हैं। ऐसे ही एक मामले में एंटरटेनमेंट जर्नलिस्ट सिमी चंदोक द्वारा अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को लेकर एक दावा किया गया है, जो अब चर्चा का विषय बन गया है। जर्नलिस्ट के अनुसार, शूटिंग के दौरान दो अलग-अलग मौकों पर ऐसा कथित अनुभव सामने आया, जिसमें इंटिमेट सीन खत्म होने के बाद भी एक्ट्रेस का व्यवहार कैमरा कट होने के तुरंत बाद सामान्य स्थिति में नहीं लौटा। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि कट बोलने के बाद भी वह एक्टर के साथ उसी सीन में कुछ समय तक बनी रहीं। हालांकि यह पूरा मामला एक कथित बयान और व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित बताया जा रहा है, और इसकी आधिकारिक पुष्टि किसी फिल्म प्रोडक्शन हाउस या संबंधित पक्ष द्वारा नहीं की गई है। बॉलीवुड में शूटिंग के दौरान इंटिमेट या रोमांटिक सीन को लेकर अक्सर एक्टर्स और डायरेक्टर पहले से ही सहमति और प्रोफेशनल गाइडलाइंस के तहत काम करते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे सीन शूट करते समय कई तकनीकी और प्रोफेशनल नियमों का पालन किया जाता है, जिसमें सीन के पहले और बाद में स्पष्ट निर्देश दिए जाते हैं। इसके बावजूद कभी-कभी शूटिंग सेट से जुड़ी कुछ बातें या अनुभव इंटरव्यू और मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए सामने आ जाते हैं, जो चर्चा का कारण बनते हैं। इस मामले में भी जर्नलिस्ट द्वारा दिया गया बयान सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि अब तक न तो अभिनेत्री की ओर से और न ही संबंधित फिल्म यूनिट की तरफ से इस दावे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। बॉलीवुड में इस तरह के दावों को लेकर पहले भी कई बार बहस होती रही है कि शूटिंग के अनुभवों को किस तरह सार्वजनिक किया जाए और उनकी सटीकता कितनी होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी सेट पर हुए अनुभव व्यक्तिगत होते हैं और उन्हें संदर्भ के साथ समझना जरूरी होता है। फिलहाल यह मामला केवल एक कथित बयान के रूप में सामने आया है, जिस पर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। इस तरह की खबरों को लेकर इंडस्ट्री में चर्चा जरूर तेज हो जाती है, लेकिन अंतिम निष्कर्ष हमेशा तथ्यों और आधिकारिक बयानों पर ही आधारित माना जाता है।

शरवरी के 'अल्फा' पोस्टर पर सोशल मीडिया में चर्चा, लोगों ने राजनीतिक पार्टी से की तुलना

अल्फा इस साल की सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जाने वाली फ़िल्मों में से एक है। इस फ़िल्म में आलिया भट्ट, शरवरी, बॉबी देओल और अनिल कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। टीज़र और ट्रेलर को नेटिज़न्स से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है, और शनिवार को मेकर्स ने एक्टर्स के कैरेक्टर पोस्टर जारी किए। हालांकि चारों किरदारों के पोस्टर जारी कर दिए गए हैं, लेकिन शरवरी के पोस्टर ने सबके ध्यान को अपनी ओर खींचा है, जिसकी वजह उनके कंधे के पास बना टैटू है। पोस्टर में शरवरी के कंधे के पास साइकिल का टैटू दिख रहा है, और नेटिज़न्स ने मज़ेदार अंदाज़ में इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे एक राजनीतिक पार्टी से जोड़ दिया है।
शरवरी के %अल्फा% पोस्टर पर नेटिज़न्स की प्रतिक्रिया पोस्टर पर प्रतिक्रिया देते हुए एक ङ्क यूज़र ने लिखा, ÷क्या शरवरी %अल्फा% में समाजवादी पार्टी की समर्थक हैं या क्या?÷ एक अन्य नेटिज़न्स ने ट्वीट किया, ÷सच कहूं तो, यह पोस्टर थोड़ा निराशाजनक है। इसमें,ढ्ढ वाली वाइब्स बहुत साफ़ दिख रही हैं, भाई। यह एक प्रॉपर सिनेमैटिक पोस्टर जैसा भी नहीं लग रहा है क्योंकि चेहरा ही लगभग बदल दिया गया है।÷ एक और यूज़र ने लिखा,उन्होंने उसे सबसे खराब पोस्टर दिया है। मुझे हैरानी होती है कि क्या आलिया को इनसिक्योर कहने वाले ट्रोलर्स की बात सच है?
अल्फा% की रिलीज़ डेट में कई बदलाव हुए। फ़िल्म पिछले साल रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन इसे अप्रैल 2026 तक टाल दिया गया। बाद में, फ़िल्म में फिर से देरी हुई और इसे 10 जुलाई 2026 को बड़े पर्दे पर आना था। लेकिन अब इसे एक हफ़्ते पहले कर दिया गया है और यह 3 जुलाई 2026 को रिलीज़ होगी।

अमिताभ बच्चन की जिंदगी में था पहला प्यार,जो रह गई अधूरी

सदी के महानायक' अमिताभ बच्चन भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े और प्रभावशाली कलाकारों में से एक माने जाते हैं। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस, दमदार आवाज और अभिनय शैली ने उन्हें करोड़ों फैंस का चहेता बना दिया। बॉलीवुड में उन्हें ÷शहंशाह÷ और ÷एंग्री यंग मैन÷ जैसे नामों से भी जाना जाता है। उनकी प्रोफेशनल जिंदगी जितनी सफल रही है, उतनी ही उनकी निजी जिंदगी भी हमेशा सुर्खियों में रही है। अमिताभ बच्चन की लव लाइफ और रिश्तों को लेकर लोगों में लंबे समय से खासा आकर्षण रहा है। खासकर जया बच्चन के साथ उनकी शादी, और उससे पहले उनके जीवन से जुड़ी कुछ कथित प्रेम कहानियों ने हमेशा मीडिया और दर्शकों का ध्यान खींचा है। अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की जोड़ी को बॉलीवुड की सबसे मजबूत और स्थिर जोड़ियों में गिना जाता है। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों ने साल 1973 में शादी की और आज भी यह रिश्ता मजबूती से कायम है। हालांकि, शादी के बाद भी अमिताभ बच्चन की निजी जिंदगी को लेकर कई तरह की चर्चाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा रेखा के साथ उनके कथित रिश्ते को लेकर रही। बॉलीवुड में इस अफवाह ने लंबे समय तक सुर्खियां बटोरीं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इस रिश्ते को कभी सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स और फिल्मों के दौर की चर्चाएं इसे हमेशा चर्चा में बनाए रखती हैं।

खेल समाचार

ब्राज़ील के लिए रिकॉर्ड की बराबरी करने वाले दो गोल करके मैथियस कुन्हा ने इतिहास रचा

फिलाडेल्फिया,20 जून 2026। हैती के खिलाफ मैथियस कुन्हा के दो गोल (ब्रेस) के साथ, यह 10वीं बार हुआ है जब किसी ब्राज़ीलियाई खिलाड़ी ने फीफा वर्ल्ड कप मैच के पहले हाफ में दो या उससे ज़्यादा गोल किए हों-जो किसी भी देश के लिए सबसे ज़्यादा है। ऐसा करने वाले आखिरी ब्राज़ीलियाई खिलाड़ी नेमार थे,जिन्होंने 2014 में कैमरून के खिलाफ यह कारनामा किया था। ब्राज़ील ने

फिलाडेल्फिया में हैती पर 3-0 की शानदार जीत के साथ अपने फीफा वर्ल्ड क प 2026 अभियान की ज़बरदस्त शुरुआत की। इस जीत से वे ग्रूप सी में टॉप पर पहुँच गए और कैरिबियाई देश की नॉकआउट स्टेज में पहुँचने की उम्मीदें खत्म कर दीं।मोरक्को के खिलाफ अपने पहले मैच में निराशाजनक 1-1 से ड्रॉ के बाद, कार्लो एंसेलोटी की टीम पर एक दमदार प्रदर्शन करने का दबाव था। वहीं, हैती की टीम स्कॉटलैंड के खिलाफ हार के बावजूद अपने जोश भरे प्रदर्शन से उत्साहित होकर इस मुकाबले में उतरी थी। ब्राज़ील ने शुरुआत से ही आक्रामक इरादे दिखाए और उन्हें लगा कि उन्होंने शुरुआती बढ़त बना ली है, जब राफिन्हा ने ब्रूनो गुइमारेस के बेहतरीन गोल किया। हालाँकि,ऑफसाइड फ्लैग की वजह से जश्न छोटा पड़ गया। आखिरकार,पहले हाफ के बीच में उन्हें सफलता मिली। विनिसियस जूनियर के ज़बरदस्त शॉट को गोलकीपर जॉनी प्लासिडे ने रोक दिया, लेकिन मैथियस कुन्हा ने सबसे तेज़ी से प्रतिक्रिया करते हुए उस ढीली गेंद को गोल लाइन के पार पहुँचा दिया, जबकि हैती के डिफेंस ने उसे क्लियर करने की पूरी कोशिश की थी। इसके कुछ ही देर बाद कुन्हा ने ब्राज़ील की बढ़त को दोगुना कर दिया और शानदार खेल दिखाते हुए बेहतरीन फिनिश किया। स्ट्राइकर ने विनिसियस के सटीक पास पर तेज़ी से दौड़ लगाई और नियर पोस्ट पर नेट के ऊपरी हिस्से में ज़ोरदार शॉट मारा, जिससे प्लासिडे के पास बचाव का कोई मौका नहीं बचा। इस जीत से ब्राज़ील को दो मैचों में चार अंक मिले हैं; वे मोरक्को के बराबर हैं लेकिन गोल अंतर में आगे हैं, और राउंड ऑफ़ 32 में अपनी जगह पक्की करने की अच्छी स्थिति में हैं। वे अपने आखिरी ग्रुप मैच में स्कॉटलैंड का सामना करेंगे, जबकि हैती का टूर्नामेंट से बाहर होना तय हो गया, भले ही उन्होंने दूसरे हाफ में बेहतर खेल दिखाया।

टेस्ट 14 हजार रन और अब सिर्फ सचिन आगे

इंग्लैंड के जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अपना 14000 रन पूरे कर लिए हैं...यूजीलैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट की चौथी पारी में रूट दो रन बनाते ही 14 हजार रनों तक पहुंच गए...

लंदन,20 जून 2026। इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान और स्टार बल्लेबाज जो रूट ने टेस्ट में अपने 14000 रन पूरे कर लिए हैं। इंग्लैंड का सामना ओवल के मैदान पर न्यूजीलैंड से हो रही है। टीम की पहली पारी में रूट 14 हजार रन बनाने से सिर्फ दो रनों से चूक गए थे। दूसरी पारी में अपनी 7वीं गेंद पर मैट हेनरी के खिलाफ सिंगल लेकर रूट ने टेस्ट क्रिकेट में 14 हजार रन पूरे किए।

जो रूट टेस्ट के दूसरे 14 हजारी

टेस्ट क्रिकेट में जो रूट 14000 रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज हैं। 9 अक्टूबर 2010 में सचिन तेंदुलकर ने टेस्ट में 14 हजार रन पूरे किए थे। वह ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज थे। अब

16 साल बाद इस लिस्ट में जो रूट का नाम शामिल हो गया है। 35 साल के रूट ने 2012 में भारत के खिलाफ ही वानखेड़े स्टेडियम में टेस्ट डेब्यू किया था। 14 हजार रन पूरे होने के बाद स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने खड़े होकर रूट के लिए तालियां बजाईं। उन्होंने बल्ले दिखाकर सभी का अभिवानदन भी स्वीकार किया।

रूट ने सचिन से ज्यादा पारियां लीं

टेस्ट क्रिकेट में 14 हजार रन बनाने के लिए जो रूट ने सचिन तेंदुलकर से ज्यादा पारियां ली हैं। सचिन ने अपने 17वें टेस्ट की 279वीं पारी में 14 हजार रन पूरे किए थे। जो रूट के 279 पारियों में 13000 रन ही पूरे हुए थे। 14 हजार रनों तक पहुंचने के लिए उन्होंने 302 पारियां ली हैं। यह रूट के टेस्ट करियर का 165वां मुकाबला है।

सचिन तेंदुलकर के नाम 15921 रन

जो रूट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के सचिन तेंदुलकर के रनों के रिकॉर्ड की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। 2013 में संन्यास लेने वाले सचिन के नाम इस फॉर्मेट में 15921 रन हैं। यानी उनसे आगे निकले के लिए जो रूट को अब 2000 से भी कम रनों की जरूरत है। एक्टिव खिलाड़ियों में रूट के अलावा ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम ही टेस्ट में 10000 से ज्यादा रन हैं। स्मिथ ने अभी तक 220 पारियों में 10763 रन बनाए हैं।

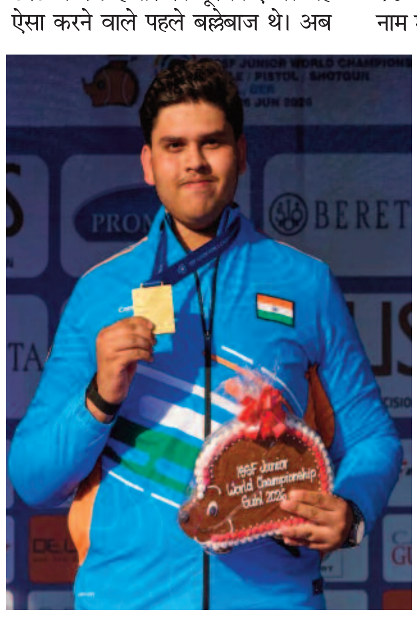

जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026: भारत को 5 पदक,समीर-रोहित ने जीता गोल्ड

नई दिल्ली ,20 जून 2026। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया को जर्मनी के सुहल में चल रही आईएसएसएफजूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम के लिए एक और शानदार दिन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन देश के शूटर्स ने अपने खाते में पांच और मेडल जोड़े। एक विज्ञप्ति के अनुसार, भारत के समीर ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष जूनियर इवेंट के फाइनल में संयमित प्रदर्शन करते हुए 28 हिट के साथ गोल्ड मेडल जीता 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन पुरुष जूनियर इवेंट में, रोहित कन्यान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता और चैंपियनशिप में भारत की स्थिति को और मजबूत किया। भारत ने प्राची गायकवाड़ के ज़रिए एक सिल्वर मेडल भी जीता,जो 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन महिला जूनियर इवेंट में 354.7 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। भारतीय शूटर्स ने टीम इवेंट्स में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन पुरुष जूनियर टीम प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। रोहित कन्यान, वेदांत नितिन वाघमारे और हितेश श्रीनिवासन की तिकड़ी ने मिलकर भारत को पोडियम पर जगह दिलाई। भारत ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष जूनियर टीम इवेंट में एक और ब्रॉन्ज़ मेडल जोड़ा, जिसमें समीर, अभिनव चौधरी और साहिल चौधरी ने पोडियम पर जगह बनाई। दूसरे दिन पांच मेडल के साथ, भारत ने आईएसएसएफजूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और प्रतियोगिता के दो दिनों के बाद कुल आठ मेडल (4 गोल्ड, 1 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज़) हासिल कर लिए। मेडल टैली में शीर्ष स्थान बनाए रखते हुए।

पसंदीदा पोस्टिंग का अधिकार नहीं युक्तिकरण पर हाईकोर्ट ने लगाई मुहर

बिलासपुर,20 जून 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की युक्तिकरण नीति को सही ठहराते हुए अतिशेष घोषित किए गए वाणिज्य (कॉमर्स) व्याख्याताओं की रिट अपील खारिज कर दी है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि जिस स्कूल में संबंधित विषय का एक भी छात्र नहीं है, वहां शिक्षकों को बनाए रखने का कोई औचित्य नहीं है। ऐसे में विद्यार्थियों की जरूरत वाले स्कूलों में उनका स्थानांतरण पूरी तरह वैध और न्यायसंगत है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के पूर्व आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि शिक्षकों को अपनी पसंद के स्थान या गृह जिले में पदस्थ रहने का कोई कानूनी अधिकार प्राप्त नहीं है। मामला जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ ब्लॉक स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनी का है, जहां शकुंतला राठौर और कृष्णा देवी साहू कॉमर्स व्याख्याता के रूप में पदस्थ थीं। युक्तिकरण प्रक्रिया के दौरान पाया गया कि स्कूल में कॉमर्स विषय का एक भी विद्यार्थी अध्ययनरत नहीं है। इसके बाद दोनों शिक्षिकाओं को अतिशेष घोषित कर काउंसलिंग के माध्यम से मुंगेली जिले के दासरंगपुर और कोना स्थित विद्यालयों में पदस्थ किया गया। शिक्षिकाओं ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान जिले के रिक्त पदों की जानकारी छिपाई गई और उनके साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया गया। वहीं राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि पूरी प्रक्रिया युक्तिकरण नीति के प्रावधानों के अनुरूप और पारदर्शी तरीके से पूरी की गई है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि स्थानांतरण और पदस्थापना नियोक्ता का प्रशासनिक अधिकार है तथा न्यायालय केवल सीमित परिस्थितियों में ही हस्तक्षेप कर सकता है। जब मूल विद्यालय में संबंधित विषय के विद्यार्थी ही नहीं हैं, तब शिक्षकों को ऐसे विद्यालयों में भेजना जहां उनकी आवश्यकता है, पूरी तरह उचित है।

छत्तीसगढ़ के 24 लाख से अधिक किसान परिवारों को मिली 490 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि

रायपुर,20 जून 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर से आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त जारी करते हुए देशभर के 9.44 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 18,880 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर जिले के कुनकुरी स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, सलियाटोली में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में शामिल हुए और किसानों के साथ प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की समृद्धि का आधार किसान हैं और किसानों की उन्नति के बिना विकसित भारत की परिकल्पना साकार नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने का प्रभावी माध्यम बनी है।

महिला किसान अब चलाएंगी ड्रोन....

ड्रोन दीदी अभियान से कृषि क्षेत्र में तकनीक और मातृशक्ति का होगा सशक्त संगम : सीएम साय

रायपुर,20 जून 2026। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने एवं महिला किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। 'ड्रोन दीदी अभियान' अंतर्गत महिला कृषकों का 5 सदस्यीय दल ड्रोन पायलट प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए रायपुर रवाना हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कुनकुरी स्थित कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र परिसर से दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कृषि क्षेत्र में तकनीक का समावेश समय की आवश्यकता है और ड्रोन तकनीक खेती-किसानी को अधिक वैज्ञानिक, प्रभावी और लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि 'ड्रोन दीदी अभियान' केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, आधुनिक कृषि और ग्रामीण

आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी मातृशक्ति आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही है। कृषि क्षेत्र में भी महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बनेंगी, बल्कि अपने गांवों और क्षेत्रों के अन्य किसानों को भी नई तकनीकों से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभाएंगी।

खेती को मिलेगा आधुनिक तकनीक का लाभ : मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ड्रोन तकनीक के माध्यम से फसलों पर उर्वरक एवं कीटनाशकों का छिड़काव कम समय में अधिक सटीकता और प्रभावशीलता के साथ किया जा सकता है। इससे समय, श्रम और लागत की बचत होने के साथ-साथ कृषि उत्पादन की गुणवत्ता और उत्पादकता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ड्रोन जैसी नवीन तकनीकों के उपयोग से खेती अधिक सुविधाजनक, टिकाऊ और लाभकारी बन रही है।

तकनीकी प्रशिक्षण और स्वरोजगार का मिलेगा अवसर

ड्रोन दीदी अभियान के अंतर्गत महिला किसानों को ड्रोन संचालन, रखरखाव, सुरक्षा मानकों तथा कृषि कार्यों में ड्रोन के उपयोग संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद ये महिलाएं ड्रोन पायलट के रूप में कार्य करने के साथ-साथ अन्य किसानों को भी तकनीक आधारित कृषि पद्धतियों के उपयोग के लिए प्रेरित करेंगी। इस पहल से महिलाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीक आधारित कृषि सेवाओं का विस्तार होगा।

अभियान का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में नई पहचान दिलाना

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना ग्रामीण विकास और विकसित कृषि व्यवस्था की कल्पना अधूरी है। ड्रोन दीदी अभियान महिला सशक्तिकरण, आधुनिक कृषि और ग्रामीण आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी मॉडल के रूप में उभर रहा है। उल्लेखनीय है कि 'ड्रोन दीदी अभियान' का उद्देश्य महिलाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर उन्हें कृषि क्षेत्र में नई पहचान दिलाना है। यह पहल 'तकनीक से सशक्त महिला, समृद्ध किसान और विकसित कृषि' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

युवती की मौत मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार रिसोर्ट सील,पुलिस ने की सख्त कार्रवाई

राजनांदगांव,20 जून 2026। थाना सोमनी क्षेत्र में युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से जुड़े गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही घटना में शामिल व्हाइसलिंगवुड्स रिसोर्ट को सील कर दिया गया है। यह कार्रवाई थाना सोमनी पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार, मामला 18 जून 2026 को मेडिकल कॉलेज अस्पताल पेण्ड्री से सूचना मिलने के बाद सामने आया, जिसके बाद थाना सोमनी में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई। मृतिका का पोस्टमार्टम कराया गया और मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल

सूचना दी गई। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंडर किरो एवं वैशाली जैन के मार्गदर्शन में जांच टीम गठित की गई। थाना प्रभारी सोमनी निरीक्षक दिलीप पटेल और साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक विनय पम्मार के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी साक्ष्य, वैज्ञानिक जांच और परिजनों से पूछताछ के आधार पर आरोपियों की पहचान की।

शराब ओवररेटिंग के खेल में अब प्लेसमेंट एजेंसियां निशाने पर! CSMCL ने 7 कंपनियों को किया तलब,डायरेक्टर-CEO को खुद होना होगा पेश

रायपुर,20 जून 2026। छत्तीसगढ़ की सरकारी शराब दुकानों में ओवररेटिंग की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद अब छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बड़ा कदम उठाया है। पहले कई उप निरीक्षकों और आबकारी निरीक्षकों पर कार्रवाई हो चुकी है, अब शराब दुकानों में कर्मचारियों की आपूर्ति करने वाली 7 बड़ी मैनपावर एजेंसियों को समीक्षा बैठक के लिए तलब किया गया है। सूत्रों के अनुसार, शराब दुकानों में ओवररेटिंग के पीछे प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से नियुक्त किए गए सेल्समैनों की भूमिका की भी जांच की जा रही

है। आरोप है कि कंपनियों ने नए लोगों को मौका ना देकर पुराने और दागी लोगों को फिर से मौका दिया है। CSMCL द्वारा जारी पत्र (क्रमांक 3779, दिनांक 18 जून 2026) के मुताबिक, यह समीक्षा बैठक आबकारी आयुक्त सह प्रबंध संचालक की अध्यक्षता में आयोजित की गई है । बैठक का आयोजन नवा रायपुर के सेक्टर-19 स्थित आबकारी आयुक्त कार्यालय के जीएसटी भवन सभाकक्ष में 23 जून 2026 को दोपहर 3:00 बजे किया जाएगा । इस बैठक में प्रदेशभर में सेवाएं दे रही 7 प्रमुख मैनपावर एजेंसियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। भौगोलिकसंदर्भ CSMCL ने स्पष्ट कर दिया है कि बैठक में किसी एजेंसी का प्रतिनिधि या स्थानीय कर्मचारी शामिल नहीं होगा। संबंधित कंपनियों के डायरेक्टर अथवा CEO को स्वयं उपस्थित होना होगा। साथ ही राज्य स्तर के को-ऑर्डिनेटर की मौजूदगी भी अनिवार्य की गई है। बैठक के लिए जिन एजेंसियों को बुलाया गया है उनमें बॉम्बे इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी, SIS कैश सर्विसेज, इनोवसोर्स सर्विसेज, स्पेक्ट्रम टैलेंट मैनेजमेंट, पेरेग्रीन गार्डिंग, इनोविजन लिमिटेड और टीम HR GSA प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)